04 - राष्ट्रपति मुर्मू का समावेशी विकास यात्रा पर बल

05 - स्मृतियों के वातायन से झांकती बचपन की होली



A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 18 मार्च, 2025

06 - पंखे बंद, अतिक्रमण की चपेट में बस स्टैंड परिसर, यात्री हो रहे...

07 - डॉ. ऋषिका ए को सर्जिकल देखभाल में एंटीमाइक्रोबियल...



भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 188, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2



सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews


**प्रसंगवश**

# ट्रंप टैरिफ : तो अमेरिकियों को भी मंहगी मिलेंगी भारतीय दवाएं?

**अर्चना शुक्ला और निखिल इनामदार**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर अगले महीने लगाए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ़ का नुकसान अमेरिकियों को भी भुगतना पड़ सकता है। भारत पर लगने वाले इस टैरिफ़ के कारण लाखों अमेरिकियों पर मेडिकल बिलों का बोझ बढ़ सकता है।

भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने व्यापार समझौते की उम्मीद में अधिकारियों से चर्चा के लिए पिछले सप्ताह अमेरिका की यात्रा की थी। गोयल भारत के महत्वपूर्ण निर्यात उद्योगों जैसे औषधीय दवाओं पर टैक्स वृद्धि को रोकना चाहते हैं। ट्रंप घोषणा कर चुके हैं कि भारत में अमेरिकी चीज़ों पर लगने वाले टैरिफ़ के जवाब में वो 2 अप्रैल तक भारत पर टैरिफ़ लगाएंगे। टैरिफ़ विदेशी आयातों पर लगने वाला सरकारी कर (टैक्स) है।

अमेरिका में बिकने वाली लगभग आधी जेनेरिक दवाइयाँ अकेले भारत से आती हैं। जेनेरिक दवाइयाँ ब्रांड वाली दवाओं का सस्ता संस्करण होती हैं। अमेरिका में ऐसी दवाइयाँ भारत जैसे देशों से आयात की जाती हैं और 10 में से 9 प्रिस्क्रिप्शन इन्हीं दवाओं के होते हैं। इससे वाशिंगटन को स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों डॉलर की बचत होती है। कंसल्टिंग फर्म आईक्यूवीआईए के एक अध्ययन के अनुसार, 2022 में, भारतीय जेनेरिक दवाओं से 219 अरब डॉलर की बचत हुई। व्यापार समझौते के बिना डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ़ के कारण जेनेरिक दवाइयां बनाने वाली कुछ भारतीय कंपनियों को बाज़ार से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

इससे अमेरिका में मौजूदा दवा की कमी और भी बढ़ सकती है। येल विश्वविद्यालय की दवा लागत विशेषज्ञ डॉ. मेलिसा बार्बर का कहना है कि टैरिफ़ 'मांग-आपूर्ति असंतुलन को और बढ़ा सकते हैं। इसका नुकसान गरीबों और उन लोगों को उठाना पड़ सकता है, जिनका स्वास्थ्य बीमा नहीं है।'

सस्ती दवाइयों पर निर्भर कई अमेरिकी इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) द्वारा वित्तपोषित आईक्यूवीआईए अध्ययन के अनुसार, अमेरिका में हाइपरटेंशन और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के लिए 60 प्रतिशत से अधिक प्रिस्क्रिप्शन भारतीय निर्मित दवाओं के थे। अमेरिका में सबसे ज़्यादा प्रिस्क्राइब की जाने वाली डिप्रेशन की दवा सेर्टालीन इस बात का एक उदाहरण है कि अमेरिकी लोग ज़रूरी दवाओं के लिए भारतीय आपूर्ति पर कितने निर्भर हैं। उनमें से कई दवाइयों की कीमत गैर-भारतीय कंपनियों की दवाओं की तुलना में आधी है। दवाओं तक पहुँच के लिए संघर्ष करने वाले उपभोक्ता वकालत समूह पब्लिक सिटिज़न्स के वकील पीटर मेबार्डुक कहते हैं, 'हम इस बारे में चिंतित हैं। चार में से एक अमेरिकी मरीज़ दवाइयां महंगी होने के कारण नहीं ले पाता है।'

ट्रंप पहले से ही चीनी आयात पर अपने टैरिफ़ के कारण अमेरिकी अस्पतालों और जेनेरिक दवा निर्माताओं से दबाव का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में बिकने वाली 87 प्रतिशत दवाओं के लिए कच्चा माल बाहर से आता है। ये आपूर्ति मुख्य रूप से चीन में केंद्रित है, जो वैश्विक आपूर्ति का लगभग 40त्न हिस्सा पूरा करता है।

ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से चीनी आयात पर टैरिफ़ में 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, दवाओं के लिए कच्चे माल की लागत पहले ही बढ़ गई है। ट्रंप चाहते हैं कि टैरिफ से बचने के लिए कम्पनियां दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग अमेरिका में स्थानांतरित कर दें।

फाइजर और एली लिली जैसी बड़ी फार्मा कम्पनियों जो ब्रांडेड और पेटेंट वाली दवाएं बेचती हैं। वह अपनी कुछ मैन्युफैक्चरिंग अमेरिका स्थानांतरित करने के लिए तैयार हैं लेकिन कम मूल्य की दवाएं बनाने वाली कंपनियों के लिए यह फ़ायदे का सौदा नहीं होगा। भारत की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी सन फार्मा के चेयरमैन दिलीप सांघवी ने पिछले सप्ताह उद्योग जगत की एक बैठक में कहा कि उनकी कंपनी अमेरिका में 1 से 5 डॉलर प्रति बोतल की दर से गोलियां बेचती है। ऐसे में टैरिफ के कारण हमारी मैन्युफैक्चरिंग अमेरिका में करने का कोई औचित्य नहीं है।

आईपीए के सुदर्शन जैन कहते हैं, 'अमेरिका की तुलना में मैन्युफैक्चरिंग भारत में कम से कम तीन से चार गुना सस्ता है।'

ऐसे में तत्काल स्थानांतरण असंभव है। ट्रंप का टैरिफ भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए बहुत ही बड़ा झटका साबित हो सकता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी जीटीआरआई के मुताबिक फार्मास्यूटिकल क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात है। भारत हर साल अमेरिका को करीब 12.7 बिलियन डॉलर की दवाइयां निर्यात करता है, जिस पर उसे लगभग कोई कर नहीं देना पड़ता। हालांकि, भारत आने वाली अमेरिकी दवाओं पर 10.91 प्रतिशत शुल्क देना पड़ता है। इससे 10.91 प्रतिशत का 'व्यापार अंतर' रह जाता है। जीटीआरआई के अनुसार अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ़ लगाने से जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं लागत बढ़ जाएगी। यह अमेरिकी बाजार में मूल्य बढ़ोतरी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है। बड़े पैमाने पर अमेरिका को दवाएं बेच रही भारतीय कंपनियां बहुत कम मार्जिन पर काम करती हैं। ऐसे में टैरिफ का बोझ वह नहीं सह पाएंगी।

भारतीय कंपनियां अपने प्रतियोगियों की तुलना में ये बहुत कम कीमत पर दवाएं बेच रही हैं और दुनिया के फार्मा बाजार में हृदय, मानसिक स्वास्थ्य, त्वचाविज्ञान और महिला स्वास्थ्य की दवाओं में प्रभाव कायम कर रहे हैं। शीर्ष भारतीय दवा कंपनी के एक वित्त प्रमुख ने नाम न बताने की शर्त परबताया, 'हम लागत में कटौती करके एकल अंक की टैरिफ बढ़ोतरी की भरपाई कर सकते हैं, लेकिन इससे अधिक होने पर इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालना होगा।' उत्तरी अमेरिका भारत की फार्मा कंपनियों के आय का बड़ा स्रोत है। इन कंपनियों की कमाई में अधिकांश योगदान इसी क्षेत्र का है और यह लाभ में एक तिहाई का योगदान देता है। वित्त प्रमुख ने कहा, 'यह सबसे तेजी से बढ़ता हुआ सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। हम अन्य बाजारों में अपना निवेश बढ़ा भी दें, तो भी अमेरिकी बाजार में होने वाले नुकसान की भरपाई नहीं हो सकेगी।'

टैरिफ से बचने के लिए भारत को अमेरिकी फार्मा उत्पादों पर अपना टैरिफ़ को कम कर देना चाहिए। फार्म बाज़ार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने बताया 'भारत में अमेरिकी दवाओं निर्यात मुश्किल से आधा बिलियन डॉलर है,ऐसे में इसका असर न के बराबर होगा।'

भारत की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनियों के समूह आईपीए ने भी अमेरिकी दवा निर्यात पर भी शून्य शुल्क लगाने की सिफारिश की है। जिससे रेसिप्रोकल टैरिफ़ का भारत पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने हाल ही में बजट में सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट प्राप्त दवाओं की सूची में 36 जीवन रक्षक दवाओं को शामिल किया है। राष्ट्रपति ट्रंप को यह संकेत मिल गया है कि भारत उनके दबाव में टैरिफ कम कर सकता है।

**(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

**● भारत-न्यूजीलैंड के बीच अहम समझौते**

# आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता दोहराई

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन दिल्ली में दोनों देशों के बीच हुए कई समझौतों के साक्षी बने। न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने कहा, मैं पीएम लक्सन और उनके मंत्रिमंडल का भारत में स्वागत करता हूं...पीएम लक्सन भारत से जुड़े हुए हैं। हमने देखा कि उन्होंने हाल ही में होली कैसे मनाई...हमें खुशी है कि उनके जैसा युवा नेता रायसीना डायलॉग 2025 में हमारे मुख्य अतिथि हैं...।

इस बीच, भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को नई दिल्ली में कई अहम समझौते हुए। इस दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्री मौजूद रहे। समझौते के बाद साझा बयान में बताया गया कि दोनों देशों ने रक्षा साझेदारी को मजबूत और संस्थागत बनाने का फैसला किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा उद्योगों में आपसी सहयोग का खाका तैयार किया जाएगा। पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर बातचीत शुरू करने का निर्णय भी लिया गया है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ...अवैध प्रवास के मुद्दे से निपटने के लिए भारत और न्यूजीलैंड के बीच आपस में एक समझौता तैयार करने के लिए काम किया जाएगा। साझा बयान में कहा गया कि चाहे 2019 का क्राइस्टचर्च हमला हो या 2008 का मुंबई हमला, आतंकवाद किसी भी रूप में अस्वीकार्य है। दोनों देशों ने कहा है कि आतंकवादी, अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करना जारी रखेंगे।

### भारत से मिली हार नहीं पचा पा रहे न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन?

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन रविवार को पांच दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और आर्थिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद पीएम लक्सन ने मीडिया को संबोधित किया और चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से मिली हार का जिक्र किया। पीएम मोदी ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की चैंपियंस ट्रॉफी की हार का मुद्दा नहीं उठाया और मैंने भारत में हमारी टेस्ट जीत का मसला नहीं उठाया। आइए, इसे ऐसे ही रहने देते हैं। इस पर पीएम मोदी समेत वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

# चीतों की बढ़ती संख्या से, चंबल क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को मिलेगा प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री

**'गामिनी' और उसके चार शावकों को बाड़े से मुक्त किया**

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन प्रदेश के चीता प्रोजेक्ट और वन्य जीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। श्योपुर स्थित राष्ट्रीय कूनो उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता 'गामिनी' और उसके चार शावकों को बाड़े से मुक्त कर राष्ट्रीय उद्यान में स्वछंद विचरण के लिए छोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैव विविधता की दृष्टि से, दक्षिण अफ्रीका से प्रदेश की धरती पर चीतों का पुनर्वास, देश ही नहीं अपितु एशिया महाद्वीप का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इस इंटरकांटिनेंटल प्रोजेक्ट के लिए कूनो (श्योपुर) का चयन, प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। प्रदेश के वन विभाग के अमले की लगन और अथक परिश्रम से इस व्यापक परियोजना का सफल क्रियान्वयन संभव हो पाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है। इससे पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और चंबल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था समग्र रूप से सशक्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

### कूनो पार्क में अब स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं 17 चीते

श्योपुर जिले के राष्ट्रीय कूनो उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता 'गामनी' और उसके चार शावकों को सोमवार को बाड़े से सफलतापूर्वक कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल के खजूरी वन क्षेत्र में छोड़ा गया। खजूरी वन क्षेत्र अहेरा पर्यटन जोन का एक हिस्सा है। पर्यटन क्षेत्र में चीतों की उपस्थिति से पर्यटकों को चीता देखने का अवसर मिलेगा। इससे पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कूनो राष्ट्रीय उद्यान संचालक सिंह परियोजना ने बताया है कि राष्ट्रीय कूनो उद्यान में चीता 'गामनी' और उसके चार शावकों को खुले जंगल में छोड़ने के बाद अब कूनों पार्क में 17 चीते जिसमें 11 शावक शामिल हैं जो स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं। अब बाड़े में 9 चीते शेष हैं, इनमें 3 शावक शामिल है। इस प्रकार कूनो नेशनल पार्क में कुल 26 चीते है, जो सभी पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं।

# चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी

**● चंद्रमा की सतह की स्टडी के लिए 250 केजी का रोवर ले जाएगा ● यह चंद्रयान-3 से 10 गुना ज्यादा वजनी**

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके बाद भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना था। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। वे बेंगलुरु में इसरो चीफ का पदभार संभालने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने बताया- अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें

जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले जाएगा।

आगे के प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है। इसरो ने 17 अगस्त 2023 को दोपहर 1:15 बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग किया था।

## सुप्रभात

देह की प्रयोगशाला में
रचकर शब्दयान
रोज़ बिठा देता हूँ एक कविता
हृदय के श्रीहरि कोटा से
करता हूँ प्रक्षेपित अंतरिक्ष में
पृथ्वी की परिक्रमा कर रही हैं कविताएं
दे रही हैं ख़बर
कहाँ बसाये जा रहे तृष्णा के नगर
बैर में लिपटा जीवन
बता रही हैं कविताएं
कौन खींच रहा पृथ्वी के केश
किसने कुतर दिए हैं पर्वत
कितना मलिन है पृथ्वी का मुख
सूखा, बाढ़, अकाल
कैसे दूर होता जा रहा
पृथ्वी से ऋतुकाल
कविताएं चित्र उतारकर
भेज रही हैं पृथ्वी पर
कौन है स्वाधीन
कौन है गुलाम
नाप रही हैं कविताएं
कितना है कराहों का तापमान
जीवन का घटता मान
कौन कितना किसी से दूर
कितना पास
कितनी बची रह गयी
जीने की आस
कविताएं दे रही हैं ख़बर
कहाँ-कहाँ बची रह गयी पृथ्वी
प्रेम के रंग में रँगी रहने के लिए।

**- ध्रुव शुक्ल**

# जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे। भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने यहां बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रूम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया।

# भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने के लिए वराह मिहिर को जानना आवश्यक : प्रो. मिश्र

**विक्रमोत्सव**

**डॉ. जफर महमूद**

**उज्जैन से**

विक्रमोत्सव के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, तथा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में 'संहिता ज्योतिष वैशिष्ट्य एवं आचार्य वराहमिहिर' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हुई।

नेपाल देश से पधारे विद्वान खेमचन्द भुर्तेल ने कहा कि नेपाल देश आधिकारिक रूप से विक्रम सम्वत् कैलेंडर का प्रयोग कर रहा है। भारत मे भी विक्रम संवत मान्य होना चाहिए। उन्होंने आचार्य वराहमिहिर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कालिदास संस्कृत विवि. नागपुर के प्रो. कृष्णकुमार पाण्डेय ने कहा कि संहिता ज्योतिषी के लिए सारा आकाश ही प्रयोगशाला है। ज्योतिष के विभिन्न विषयों पर शोध प्रवृति को बढ़ाने के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने संहिता शास्त्र की विशिष्टता को बताते हुए ग्रहण के विषय में समसामयिक विषय का प्रतिपादन किया। केंद्रीय संस्कृत विवि के लखनऊ परिसर के प्रो. श्यामदेव मिश्र ने कहा कि संहिता ज्योतिष जन कल्याण के लिए ही प्रादुर्भूत हुआ

था। भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने के लिए वराह मिहिर को जानना बहुत आवश्यक है। संहिता ज्योतिष में व्यक्ति के संपूर्ण जीवन का निर्धारण किया गया है। बृहत संहिता में वृक्ष आयुर्वेद की चर्चा के साथ विज्ञान के समस्त विंदु विद्यमान है। उन्होंने उज्जयिनि को देश की धर्म राजधानी और महाराजा विक्रमादित्य को भारतीय विद्याओं का संरक्षक और युग प्रवर्तक बताया।

अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. विजयकुमार सी.जी.ने कहा कि ज्योतिष, काल का निर्धारक शास्त्र है। इससे सर्वविध कल्याण का मार्ग उद्घाटित होता है। यह आत्मिक तथा भौतिक उन्नति का साधन भी है यह ज्योतिष शास्त्र प्रत्यक्ष शास्त्र के रूप में सर्वोपयोगी है। यह पूर्णतः वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है जिसमें सभी पक्षों का समावेश है। जिसके उत्तम ज्ञान से व्यक्ति कीर्ति के साथ सर्वविध कल्याण को प्राप्त कर सकता है। आचार्य वराह मिहिर महाराज विक्रमादित्य के अद्वितीय रत्न थे। जिन्होंने अनेक ग्रंथों का प्रणयन किया।

विषय प्रवर्तन संगोष्ठी संयोजक डॉ.शुभम् शर्मा ने किया। आभार, कुलसचिव प्रो.दिलीप सोनी ने माना। संचालन डॉ.मृत्युंजय तिवारी, डॉ.विजय कुमार, डॉ.अविनाश मिश्र ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ गणेश मिश्र, असम, डॉ. सुभाष चन्द्र मिश्र (जयपुर), डॉ चेतन पंड्या (बड़ोदरा) प्रो.विनायक पांडेय, इन्दौर डॉ तुलसीदास परौहा, डॉ.उपेंद्र भार्गव, तथा नेपाल, यूक्रेन आदि देशों के शिक्षाविद् सहित देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे विद्वान, सामाजिक, छात्र तथा शोधार्थी उपस्थित थे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c


# सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार,18 मार्च 2025


जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

## ‘औरंगजेब से ज्यादा क्रूर परशुराम’, एमपी कांग्रेस नेत्री की पोस्ट पर भूचाल

### अब हाथ जोड़कर मांग रही माफी

**जबलपुर (एजेंसी)।** सोशल मीडिया में विवादित पोस्ट वायरल करने पर पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कांग्रेस की पूर्व महिला नगर अध्यक्ष रेखा जैन ने सोशल मीडिया में भगवान परशुराम की तुलना औरंगजेब से करते हुए पोस्ट वायरल की थी। जिसका हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया था। साथ ही पार्टी ने भी नोटिस थमा दिया है। जबलपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने रेखा के पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हालांकि, पार्टी की फटकार के बाद रेखा जैन ने तुरंत यू-टर्न लेते हुए



माफी मांग ली और सफाई दी कि फेसबुक पर पोस्ट देखते समय यह गलती से शेयर हो गया था। संज्ञान में आते ही उन्होंने पोस्ट डिलीट भी कर दिया। इधर, अध्यक्ष ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि उन्होंने किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं की है, बल्कि एक लेखक का लेख था, जिसे उन्होंने शेयर किया था।

**पोस्ट में लिखा था- परशुराम जातिगत घृणा के प्रतीक-** रविवार को फेसबुक पर कांग्रेस की पूर्व नगर अध्यक्ष रेखा विनोद जैन ने जो पोस्ट साझा किया, उसमें लिखा था- कथाकार मणिका मोहिनी ने एक महत्वपूर्ण बात याद दिलाई है। औरंगजेब ने अपने भाई का सिर काटकर अपने पिता को भेंट किया था, जबकि परशुराम ने अपनी माता का सिर काटकर खुद को भेंट किया था।

**हिंदुत्व के ठेकेदार परशुराम के मंदिर तक बनवाते हैं-** रेखा विनोद जैन ने पोस्ट में आगे लिखा कि औरंगजेब क्रूर था, कोई उसे आदर्श नहीं मानता। मुसलमान भी अपनी संतान का नाम औरंगजेब नहीं रखते। लेकिन हिंदुत्व के ठेकेदार परशुराम के मंदिर तक बनवाते हैं। औरंगजेब सांप्रदायिकता के लिए कलंकित है, जबकि परशुराम जातिगत घृणा के प्रतीक हैं।

**कांग्रेस ने रेखा को जारी किया कारण बताओ नोटिस-** प्रदेश महिला कांग्रेस महामंत्री के इस पोस्ट को जिला कांग्रेस ने गंभीरता से लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया और तुरंत जवाब मांगा।

## वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ सोमवार को मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिल्ली के जंतर-



मंतर पर प्रदर्शन किया। इसमें एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

ओवैसी ने कहा- हम इस बिल का विरोध करते हैं। बिल में प्रावधान है कि कल कोई यह कहता है कि यह मस्जिद नहीं है और कलेक्टर जांच बैठा देते हैं तो जांच पूरी होने तक मस्जिद हमारी संपत्ति नहीं होगी। वक्फ बिल को मौजूदा बजट सत्र में लाया जा सकता है। ये सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 का मकसद डिजिटलीकरण, बेहतर ऑडिट, बेहतर पारदर्शिता और अवैध रूप से कब्जे वाली संपत्तियों को वापस लेने के लिए कानूनी सिस्टम में सुधारों को लाकर इन चुनौतियों को हल करना है।

## उदयपुर में अरविंद सिंह मेवाड़ का अंतिम संस्कार

### बहनों के गले लगकर रोए लक्ष्यराज

**उदयपुर (एजेंसी)।** उदयपुर में मेवाड़ के पूर्व राज परिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ (80) का सोमवार को अंतिम संस्कार किया गया। बेटे लक्ष्यराज सिंह ने उनको मुखाग्नि दी। नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ भी अपने चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ के दाह संस्कार में शामिल हुए और



उनको विदाई दी। इससे पहले अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा सुबह करीब 11 बजे सिटी पैलेस स्थित उनके आवास शंभू पैलेस से शुरू हुई। इस दौरान लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ अपनी दोनों बहनों से गले लगकर फफक पड़े। अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा बड़ी पोल, जगदीश चौक, घंटाघर, बड़ा बाजार, देहली गेट होते हुए ‘महासतिया’ (अंत्येष्टि स्थल) पहुंची। विश्वराज सिंह अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल हुए और उनको विदाई दी।

# म.प्र. में फिल्म ‘छावा’ टेक्स फ्री : मुख्यमंत्री

### फिल्म ‘छावा’ का विशेष शो हुआ ओपन थियेटर में

**भोपाल ( नप्र )।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज 17वीं सदी में शासक रहे छत्रपति संभाजीराव महाराज के जीवन और संघर्ष पर बनी फिल्म ‘छावा’ देखी। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को मध्यप्रदेश सरकार ने टैक्स फ्री भी किया है।

अशोका लेक व्यू परिसर में ओपन थियेटर में हुए फिल्म के विशेष प्रदर्शन को मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अलावा विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मंत्री परिषद के सदस्यों और अनेक जन प्रतिनिधियों ने देखा और फिल्म की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेम का संदेश देने वाली प्रेरक फिल्म है। मध्यप्रदेश सरकार ऐसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी भारत के गौरवशाली इतिहास से अवगत करवाने वाली फिल्मों को प्रोत्साहित करेगी। राज्य सरकार भारत के वीर शासकों और देशभक्तों के संघर्ष की गाथा को प्रस्तुत करने वाले सिनेमा को आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जितने साहसी और वीर थे वैसे ही उनके सुपुत्र छत्रपति



संभाजीराव महाराज भी थे। वे ऐसे शासक थे जिन्होंने देश के लिए राष्ट्र प्रेम का अदभुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा 300 वर्ष से अधिक पुराने दौर को सिनेमा के परदे पर जीवंत किया गया है। फिल्म के निर्माता निर्देशक और कलाकार बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज विश्व में भी काफी उथल-पुथल है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत अपनी विरासत और संस्कृति के संरक्षण के साथ विकास की ओर बढ़ रहा है। निश्चित ही ऐसी फिल्म जनप्रतिनिधियों के साथ देखना मेरे लिए एक सुखद संयोग है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता पर आधारित एक काव्य रचना भी पढ़कर सुनाई।

# कांग्रेस-टीएमसी का राज्यसभा से वॉकआउट

### डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा नहीं होने से नाराज

### कांग्रेस बोली- रेलवे वेंटिलेटर पर, रील बनाने से नहीं सुधरेगा

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** होली के अवकाश के बाद सोमवार को फिर से संसद के बजट सत्र की कार्यवाही चली। विपक्ष लगातार वोटर लिस्ट और परिसीमन का मुद्दा उठा रहा है और सदन में इन पर चर्चा की मांग कर रहा है। वहीं सत्ता पक्ष नियमों के तहत चर्चा की बात कर रहा है।

**लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही का समय बढ़ा-** आज की कार्यसूची पूरी होने तक राज्यसभा का समय बढ़ाया गया है। वहीं लोकसभा के कामकाज का समय रात 10 बजे तक बढ़ाया गया।

बजट सत्र के दूसरे फेज का सोमवार को चौथा दिन है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा हो।

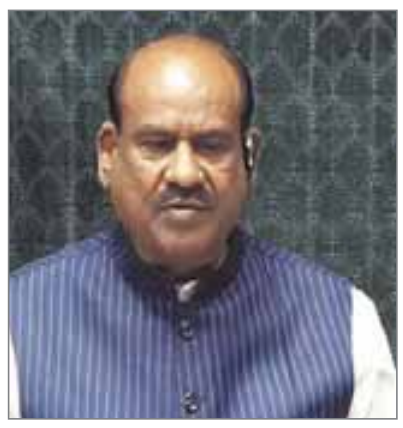



राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया। इसके विरोध में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।

लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है।

वर्षा गायकवाड़ अनुदान की मांगों पर चर्चा में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने ये भी कहा कि दावा किया जाता है कि रेल बजट में अभूतपूर्व बदलाव किए गए, जबकि ये गलत है। सच ये है कि ये फेल बजट है। मौजूदा सरकार यही नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि हर विकास 2014 के बाद हुआ। जबकि तथ्य ये हैं कि पब्लिक सेक्टर के उपक्रम खराब स्थिति में हैं। इधर, दोनों पार्टियों के सांसद डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

● अमेरिकी इंटेलिजेंस हेड तुलसी गबार्ड बोलीं

# भारत में पाक समर्थित हमले इस्लामी आतंक

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने भारत में लगातार हो रहे पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों को इस्लामी आतंक बताया है। उन्होंने कहा कि ये आतंक भारत और अमेरिका समेत कई मिडिल ईस्ट देशों पर भी खतरा बनता जा रहा है।

तुलसी रायसीना डायलॉग में शामिल होने के लिए भारत आई हैं। उससे पहले उन्होंने एएनआई को दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं। इस इंटरव्यू में उन्होंने अध्यात्म, भगवत गीता, कृष्ण के उपदेश और भारत के लिए अपने प्यार पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वे कृष्ण भक्त हैं और भगवान के साथ उनका रिश्ता उनके जीवन का केंद्र है।

### इस्लामी आतंक से दुनिया पर खतरा

तुलसी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस्लामी आतंक से लड़ने के अपने वादे को लेकर बहुत साफ हैं। इस आतंक ने हमें घेर लिया है और लगातार अमेरिकी लोगों पर खतरा बना हुआ है।

# प्रोफेसर ने 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण किया

### ● मोबाइल में 65 अश्लील वीडियो मिले, एफआईआर दर्ज होने के बाद फरार

**हाथरस (एजेंसी)।** यूपी के हाथरस में एक डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर के मोबाइल से 65 अश्लील वीडियो मिले। पुलिस जांच में पता चला कि ज्यादातर वीडियो कॉलेज की छात्राओं के हैं।

प्रोफेसर ने छात्राओं के कई वीडियो पोर्न साइट पर भी अपलोड कर दिए थे। कहा जा रहा है कि वह 20 साल में 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण कर चुका है।फिलहाल, आरोपी फरार है। कॉलेज मैनेजमेंट ने उसे सस्पेंड कर दिया है। एसपी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें लगाई हैं। मामला बागला डिग्री कॉलेज (एडेड) का है।

दरअसल, 6 मार्च को एक छात्रा ने महिला आयोग को लेटर लिखा, साथ ही फोटो-वीडियो भी भेजे। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने इंटरनल जांच शुरू की। 13 मार्च को दरोगा सुनील कुमार ने थाने में खुद शिकायत दर्ज कराई।

इसके बाद मामला सुर्खियों में आ गया। आनन-फानन में डीएम ने जांच के लिए 4 सदस्यीय कमेटी बनाई। आरोपी प्रोफेसर डॉ. रजनीश की उम्र 54 साल है। वह भूगोल पढ़ाता है।

### छात्रा का लेटर आया सामने

प्रोफेसर डॉ. रजनीश छात्राओं को झांसा देकर कमरे में बुलाता था। आपको बताना चाहती हूं कि प्रोफेसर रजनीश कुमार कई छात्राओं का यौन-शोषण कर रहा है। वह दरिंदा है। वह छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें करता है। वीडियो बनाकर उनका शोषण करता है। मैं एक साल से पीएमओ से लेकर सीएम कार्यालय तक इसकी शिकायत कर रही हूं। लेकिन प्रोफेसर इतना ताकतवर है कि किसी भी शिकायत पर उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। मोदी सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का समर्थन करती है, लेकिन फिर भी ऐसे दरिंदे बेखौफ होकर बेटियों के साथ दरिंदगी कर रहे हैं। इस दरिंदे से मैं इतनी परेशान हूं कि कभी-कभी आत्महत्या करने का विचार आता है। कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष और मैनेजमेंट को प्रोफेसर की करतूतों के बारे में बताया। उन्हें सबूत भी सौंपे, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। जब तक इस दुष्ट पर कोई कार्रवाई नहीं होती, मैं हार नहीं मानूंगी। ऐसा लगता है कि कॉलेज के प्रधानाचार्य और मैनेजमेंट की शह पर प्रोफेसर कॉलेज की छात्राओं का शोषण कर रहा है। वह भोली-भाली छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा पास कराने और नौकरी के नाम पर बहलाता-फुसलाता है। फिर उनके साथ गलत काम करता है और वीडियो भी बनाता है।

# औरंगजेब कब्र विवाद- नागपुर में पथराव- आगजनी, डीसीपी समेत कई घायल

**नागपुर (एजेंसी)।** औरंगजेब कब्र विवाद में महाराष्ट्र के नागपुर के महाल इलाके में सोमवार शाम दो पक्षों में हिंसा हो गई। विश्व हिंदू परिषद ने औरंगजेब का पुतला फूंका था, इसके बाद हिंसा भड़क गई। अधिकारियों ने बताया- अफवाह फैली कि प्रदर्शनकारियों ने पुतले के साथ एक धार्मिक पुस्तक जलाई है। इससे दो पक्षों में पथराव हुआ। कई गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी भी हुई है।

पुलिस ने बवाल कर रहे लोगों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े हैं। घटना में डीसीपी पुलिसकर्मी समेत चार लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोगों से प्रशासन का पूरा सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा- हम लगातार पुलिस-प्रशासन के संपर्क में हैं। नागपुर एक शांतिपूर्ण शहर है। किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें।

नागपुर डीसीपी अर्चित चांडक ने कहा- गलतफहमी के कारण यह घटना हुई है। स्थिति कंट्रोल में है। सभी से अपील है कि बाहर न निकलें। पत्थरबाजी न करें। कुछ पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। मेरे पैर में भी हल्की चोट आई।

### सीएम फडणवीस बोले- औरंगजेब की तारीफ वाले विचारों को कुचल देंगे

## बजरंग दल-वीएचपी अड़े, औरंगजेब की कब्र हटाओ

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (पहले औरंगाबाद) में स्थित औरंगजेब की कब्र हटाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र सरकार से इसे जल्द हटाने की मांग की है। विवाद के बीच कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विश्व हिंदू परिषद महाराष्ट्र और गोवा के क्षेत्रीय मंत्री गोविंद शेंडे ने औरंगजेब की कब्र को गुलामी का प्रतीक बताया। उन्होंने सोमवार को कहा- औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को मारने से पहले 40 दिनों तक यातना दी थी। ऐसे क्रूर शासक का निशान क्यों रहना चाहिए।

उधर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक कार्यक्रम में कहा- क्रूर औरंगजेब के बर्बर विचारों का महिमामंडन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उस विचार को वहीं कुचल दिया जाएगा। औरंगजेब की कब्र हटाने



की मांग को लेकर सोमवार को महाराष्ट्र भर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान मुगल आक्रांताओं के पुतले भी जलाए जा रहे हैं।

### ओडिशा का बौध दूसरे दिन सबसे गर्म, 43.6 डिग्री टेम्परेचर,7 जिलों में पारा 40 डिग्री से ऊपर

# हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बर्फबारी और बारिश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मौसम विभाग ने ओडिशा में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। वही, ओडिशा राज्य का बौध जिला लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। ओडिशा के ही झारसुगुड़ा (42 डिग्री) और बलांगीर (41.7 डिग्री) दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे। इसके अलावा राज्य के सात जिलों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। पूरे राज्य में खासकर पश्चिमी हिस्से में हीट वेव यानी लू की स्थिति रही।

मौसम विभाग ने अगले दो दिन इसी तरह का मौसम रहने की आशंका जताई है। इसके बाद 19 मार्च से अगले चार दिनों तक



बारिश होने की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बर्फबारी और बारिश हुई। मंगलवार को छोड़कर शुक्रवार तक बारिश का दौर जारी रहेगा।

**18 मार्च तक 8-9 राज्यों में तेज बारिश की आशंका-** पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश व बिहार में अगले एक हफ्ते के दौरान तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की भी आशंका है। दक्षिण में तेलंगाना में 18 मार्च तक ऐसी स्थिति बनी रहेगी।

छत्तीसगढ़ मध्य भारत में 2 दिन तापमान 2 डिग्री बढ़ सकता है।

## म.प्र.में 19-20 मार्च को बारिश का यलो-ऑरेंज अलर्ट

मध्यप्रदेश के आधे हिस्से में 19 और 20 मार्च को आंधी-बारिश की संभावना है। भोपाल, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, चंबल, सागर और शहडोल संभाग में ज्यादा असर रहेगा। यहां 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में बूंदाबांदी हो सकती है।

## बैरागढ़ में 10वीं की छात्रा के साथ छेड़छाड़ और मारपीट

**भोपाल (नप्र)।** बैरागढ़ थाना क्षेत्र में स्कूली छात्रा से लगातार छेड़छाड़ और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बैरागढ़ इलाके की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी ने बताया कि उसके मोहल्ले में रहने वाला नीतेश कुशवाहा नामक युवक पिछले चार महीनों से उसे परेशान कर रहा था। आरोपी छात्रा के स्कूल आने-जाने के रास्ते में उसका पीछा करता और उस पर दोस्ती करने तथा बातचीत करने का दबाव डालता था। हालांकि, छात्रा ने उसकी हरकतों को लगातार नजरअंदाज किया और अपने स्कूल आने-जाने का रास्ता भी बदल दिया।

इससे नाराज होकर आरोपी नीतेश छात्रा के घर जा पहुंचा और बाहर खड़े होकर गाली-गलौज करने लगा। जब छात्रा ने बाहर आकर उसकी हरकतों का विरोध किया और उसे वहां से जाने को कहा, तो आरोपी ने छात्रा के साथ मारपीट कर दी। इस दौरान आस-पास के लोगों द्वारा हस्तक्षेप करने पर आरोपी वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद छात्रा के परिवार वाले उसे लेकर थाने पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी नीतेश कुशवाहा के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तार के प्रयास जारी हैं।

### उज्जैन की महिला अफसर बोली

## इंजीनियर शारीरिक संबंध बनाना चाहता है

**उज्जैन (नप्र)।** उज्जैन नगर निगम में संविदा पर कार्यरत कार्यपालन यंत्री पर एक महिला अधिकारी को परेशान करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कार्यपालन यंत्री ने महिला अफसर को फोन कॉल्स और वॉट्सऐप पर आपत्तिजनक मैसेज भेजे। ऑडियो और वॉट्सऐप चैट भी सामने आए हैं।

पीड़ित महिला अधिकारी ने निगम आयुक्त आशीष पाठक को शिकायती पत्र सौंपा है। इसके बाद कांग्रेस पार्षद और महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष सपना सांखला ने महापौर, निगम अध्यक्ष और संभागायुक्त को ज्ञापन दिया। महापौर मुकेश टटवाल ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, निगम आयुक्त आशीष पाठक ने कहा- एक वरिष्ठ महिला अधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपा गया है। जांच एक सप्ताह में पूरी हो जाएगी। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता संतोष सिंह गौतम ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

## सीएम द्वारा आर्थिक सहायता स्वीकृत

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला जिला निवासी श्रीमती बिसरो बाई परते पत्नी स्व. हीरन सिंह परते को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 10 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। गत 9 मार्च को मंडला जिले की बिछिया तहसील के ग्राम खटिया के निवासी श्री हीरन सिंह परते की मृत्यु के संदर्भ में यह सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर मंडला द्वारा इस घटना की न्यायिक जाँच के आदेश भी दिए गए हैं।

## सीएम ने किया 'टॉपर्स की डायरी जीत के राज' पुस्तक का विमोचन

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में डॉ. कनिका शर्मा की पुस्तक 'टॉपर्स की डायरी जीत के राज' का विमोचन किया। इस अवसर पर श्री गौरव शर्मा, श्री सुनील शर्मा और परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुस्तक की विषय-वस्तु की सराहना की। यह पुस्तक विशेष रूप से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने, परीक्षाओं के भय को समाप्त करने और सकारात्मक मानसिकता, व्यवस्थित दिनचर्या, बेहतर खान-पान और पोषण का ध्यान रखने, लेखन क्षमता में सुधार, भाषा की शुद्धता और भविष्य की योजना बनाकर कार्य करने जैसे पहलुओं पर मार्गदर्शन देती है।

## ट्रांसफार्मर, पोल के पास ठेले न लगाएं, हो सकती है दुर्घटना

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि व्यापारीगण या फेरी वाले बिजली के वितरण ट्रांसफार्मर एवं पोल के आसपास हाथ ठेले या गुमठियां न लगाएं। ऐसा करने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। विद्युत वितरण कंपनी का कहना है कि कई स्थानों पर ऐसा देखने में आ रहा है, ऐसा करके लोग जहां अपनी जान को जोखिम में डाल रहे हैं, वहीं इस तरह से बिजली के खंभों या ट्रांसफार्मर से सटाकर ठेले पर सामान बेचना नियमों के विपरीत भी है। इसलिए यदि कहीं पर भी इस तरह की गतिविधियां हो रही हों तो स्वयं ही उन्हें हटा लें, अन्यथा विद्युत वितरण कंपनी को कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

## बीयू की परीक्षाएं 1 अप्रैल से, स्मार्ट वॉच-ब्लूटूथ मिला तो रद्द होगी परीक्षा

**भोपाल (नप्र)।** बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की यूजी की प्रथम से तीसरे वर्ष की परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। प्रायोगिक परीक्षाएं 13 मार्च से शुरू कर दी गई हैं। बीयू के बीए, बीएससी, बीकाम, बीएससी (होम साइंस), बीए मैनेजमेंट, बीबीए, बीसीए, बीपीईएस के प्रथम वर्ष और तीसरे वर्ष की सैद्धांतिक परीक्षाएं एक अप्रैल से शुरू होंगी। वहीं पीजी की सेमेस्टर परीक्षाएं मई में आयोजित होंगी।

# एमआईसी में जलकर बढ़ाने, टैक्स वसूली पर मंथन

## महापौर-सदस्यों ने डेढ़ घंटा चर्चा की, भोपाल में बल्क कनेक्शन की घट सकती है राशि

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल नगर निगम की बजट मीटिंग से पहले सोमवार की शाम को एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) की मीटिंग हुई। इसमें जलकर बढ़ाने, प्रॉपर्टी टैक्स वसूली समेत बजट पर मंथन किया गया। बैठक डेढ़ घंटे चली। रंगपंचमी के बाद फिर से बैठक होगी और विस्तृत चर्चा की जाएगी।

मीटिंग में महापौर मालती राय, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव समेत सभी एमआईसी सदस्य शामिल हुए। पानी का मुद्दा प्रमुख रहा। जानकारी के अनुसार, बल्क कनेक्शन की राशि कम करने पर बात की गई। वहीं, जल कर की राशि बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

**मार्च के आखिरी तक वसूली होगी तेज-** भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में कुल 277 करोड़ रुपए वसूले जाने हैं। अब तक करीब 220 करोड़ रुपए की ही वसूली हुई

है। बाकी राशि को मार्च के आखिरी दिनों में वसूलने पर चर्चा की गई। इसके लिए छुट्टी वाले दिनों में भी वसूली कार्रवाई तेज की जाएगी।

**बजट पर भी चर्चा-** एमआईसी की मीटिंग शाम 5 बजे से शुरू हुई, जो डेढ़ घंटे तक चली। इसमें बजट पर भी चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, इस बार बजट 2600 करोड़ से ज्यादा का हो सकता है।

**3 महीने के बाद होगी मीटिंग-** पिछली बैठक 13 दिसंबर को हुई थी। यह मीटिंग करीब तीन महीने में हुई थी, जबकि नियम 2 महीने के अंदर का है। इस बार भी एक महीना ज्यादा बीत चुका है। ऐसे में विपक्ष यानी, कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जताया है। हालांकि, 24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट थी। मीटिंग में देरी होने की वजह इसे ही बताया जा रहा है।

### 3 साल पहले बढ़ा था टैक्स

बता दें कि करीब 3 साल पहले जल कर पर 15 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। शहर में पौने 3 लाख से ज्यादा नल कनेक्शन हैं। इनमें 2 लाख कनेक्शन 2400 स्क्वायर फीट या इससे कम एरिये वाले मकानों में लगे हैं। करीब 25 हजार कनेक्शन 2400 स्क्वायर फीट एरिये वाले मकानों में लगे हैं। बाकी गरीब वर्ग के घरों में कनेक्शन है। जिन लोगों के मकान 2400 स्क्वायर फीट तक एरिये में बने हैं, उन्हें 210 रुपए देने पड़ रहे हैं। प्रतिमाह 30 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। जिनके मकान 2400 स्क्वायर फीट से अधिक एरिये में बने हैं, वे 300 रुपए प्रतिमाह चुका रहे हैं।

### मौजूदा कार्यकाल में पहली बार बढ़ेगा

यदि जल कर में बढ़ोतरी होगी है तो यह मौजूदा कार्यकाल में पहली बार होगा। हालांकि, पिछली बैठकों में जल कर बढ़ाने की चर्चा थी, लेकिन बाद में फैसला टाल दिया गया था।

# खेल मंत्री सारंग ने क्रिकेटर शमी को लिखा लेटर

## बोले-किसी से डरें नहीं, बेटी के होली खेलने पर मौलाना रजवी ने ली थी आपत्ति

**भोपाल (नप्र)।** भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बेटी के होली खेलने पर को लेकर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी के बयान पर मध्यप्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कड़ा ऐतराज जताया है। सारंग ने कहा कि मौलाना का बयान आपत्तिजनक है। सारंग ने क्रिकेटर शमी को लेटर लिखकर कहा है कि उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि बरेली (उत्तरप्रदेश) के मौलाना रजवी ने दो दिन पहले शमी की बेटी के होली खेलने पर ऐतराज जताया था। मोहम्मद शमी की बेटी का होली खेलते हुए वीडियो सामने आने पर रजवी ने कहा था कि मोहम्मद शमी की बेटी का रंग खेलना शरीयत के खिलाफ और नाजायज है। इसी पर खेल मंत्री सारंग ने सोमवार को पलटवार किया है। उन्होंने कहा, देश में अब कट्टरपंथ और धमकी की राजनीति नहीं चलेगी।

### बेटी के होली खेलने पर क्या आपत्ति होना चाहिए?

मंत्री सारंग ने कहा कि मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी का बयान निंदनीय है। अगर मोहम्मद शमी की बेटी होली खेलती है तो इससे कट्टरपंथियों को क्या परेशानी है? यह देश हर धर्म और समुदाय के लोगों का है और यहां किसी की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

### सरकार, मोहम्मद शमी और उनकी बेटी के साथ

सारंग ने कहा कि मोहम्मद शमी और उनकी बेटी को डरने की जरूरत नहीं है। सरकार उन्हें पूरा संरक्षण देगी। मैंने मोहम्मद शमी को पत्र लिखकर कहा है कि किसी भी कट्टरपंथी धमकी से डरने की जरूरत नहीं है। यह देश सबका है, और सभी को अपनी संस्कृति के साथ जीने का अधिकार है।

### प्रियंका गांधी और विपक्ष पर सवाल

सारंग ने विपक्ष पर भी हमला करते हुए कहा, कि जब एक छोटी बच्ची को धमकी दी जा रही है, तो प्रियंका गांधी, जो खुद 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देती थीं, अब कहां हैं? कांग्रेस और विपक्ष के नेता तुष्टिकरण की राजनीति कब तक करते रहेंगे?

### कट्टरपंथियों को चेतावनी

सारंग ने कहा, मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी पहले भी मोहम्मद शमी को रोजे के दौरान क्रिकेट खेलते हुए पानी पीने पर धमका चुके हैं। आखिर यह कट्टरपंथ कहां तक जाएगा? कुरान और वेदों में भी मातृभूमि की महिमा का उल्लेख है। कोई भी व्यक्ति किसी की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगा सकता।

# युवती के साथ होटल में रेप

### रिश्ते के भाई ने मिलने बुलाया, शादी का झांसा देकर की ज्यादती, केस दर्ज

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में प्राइवेट जॉब करने वाली युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोपी युवती का रिश्ते का भाई है। युवक ने युवती को एक दिन मिलने बुलाया, इसके बाद घुमाने के बहाने होटल के एक रूम में ले गया। यहां उसके साथ ज्यादती की। विरोध करने पर आरोपी ने लड़की को जल्द शादी करने का झांसा दिया। इसके बाद करीब दो साल दोनों रिलेशन में रहे और आरोपी ने कई बार संबंध बनाए। अब युवक ने शादी करने की बात से साफ इनकार कर दिया। तब पीड़िता ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

टीआई हेमंत श्रीवास्तव के मुताबिक 24 वर्षीय प्राइवेट जॉब करती है। जबकि आरोपी सुभाष चंद्र मेहर भी मुंबई में प्राइवेट जॉब करता है। आरोपी युवक युवती का रिश्ते का भाई है। करीब दो साल पहले दोनों की मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी। जहां दोनों के बीच पहले बातचीत शुरू हुई और दोस्ती हो गई। बाद में मामला प्रेम प्रसंग तक पहुंच गया। इसके बाद आरोपी युवक ने लड़की को घुमाने के बहाने बुलाया।

**जांच के बाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर-** जहां उसने पीड़िता के साथ शादी करने का झांसा देकर रेप किया। इतना ही नहीं बाद में उसने शादी करने से इनकार कर दिया। उसकी करतूतों से परेशान होकर पीड़िता ने थाना पुलिस को लिखित में आवेदन देकर शिकायत कर दी। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। अब पुलिस आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के लिए मुंबई जाने की तैयारी कर रही है।

## सीनियर आईपीएस मनीष शंकर शर्मा का निधन

### स्पेशल डीजी रेल के पद पर थे, पिता रह चुके मप्र के पूर्व मुख्य सचिव

**भोपाल (नप्र)।** स्पेशल डीजी रेल और पूर्व मुख्य सचिव कृपाशंकर शर्मा के बेटे मनीष शंकर शर्मा का असमय निधन हो गया है। वे उपचार के लिए दिल्ली गए थे। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। मनीष शंकर शर्मा की पार्थिव देह आज सुबह भोपाल पहुंची है। ई-5 स्थित निवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। आज ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मनीष शंकर शर्मा भारतीय पुलिस सेवा में 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने मध्य प्रदेश में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वर्ष 1997-1998 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत बोस्निया और हर्जेगोविना में सेवाएं दीं। यहां उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा, वे सुरक्षा निदेशक (एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया) और टी-बोर्ड ऑफ इंडिया के निदेशक भी रहे।

उन्हें अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के सैन डिएगो शहर में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सैन डिएगो के महापौर केविन एल. फॉकनर ने 20 जुलाई को उन्हें सम्मानित करते हुए इस दिन को हर साल 'मनीष शंकर शर्मा दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

इसके अलावा, उन्हें यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स का सर्टिफिकेट ऑफ स्पेशल कांग्रेशनल रिकग्निशन भी प्रदान किया गया था। उनके चाचा डॉ. सीताशरण शर्मा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रहे हैं। मूल रूप से नर्मदापुरम के रहने वाले मनीष शंकर शर्मा ने मध्य प्रदेश के रायसेन, सतना, छिंदवाड़ा और खंडवा जिलों में एसपी के रूप में भी कार्य किया।

# इंदौर में मेट्रो अंडरग्राउंड टनल का रास्ता साफ

## 2191 करोड़ रुपए में टाटा-एचसीसी बनाएगी 7 अंडर ग्राउंड स्टेशन

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर में एयरपोर्ट से राजवाड़ा तक अंडरग्राउंड मेट्रो का रास्ता साफ हो गया है। 2 हजार 191 करोड़ रुपए के इस टेंडर को हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड और टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड मिलकर पूरा करेंगे।

कंपनी सूत्रों के अनुसार यह टेंडर भूमिगत सुरंगों और स्टेशनों सहित 8.65 किलोमीटर लंबे गलियारे के निर्माण के लिए दिया गया है। संयुक्त उद्यम में एचसीसी की 55 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कंपनी से जारी बयान के अनुसार- यह पैकेज IN-05क्र 31.32 किलोमीटर लंबी इंदौर मेट्रो चरण-1 परियोजना का एकमात्र भूमिगत खंड है। इस हिस्से में सुरंग खोदने की मशीन (टीबीएम) से 11.32 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण और इंदौर रेलवे

स्टेशन, राजवाड़ा, छोटा गणपति, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, बीएसएफ/कलानी नगर और एयरपोर्ट पर 7 भूमिगत स्टेशनों का निर्माण शामिल है। बताया जा रहा है कि कंपनी यह कॉरिडोर इंदौर रेलवे स्टेशन के पूर्वी हिस्से में स्थित रैम्प को एयरपोर्ट स्टेशन के पश्चिमी हिस्से के रैम्प से जोड़ेगी।

### ये स्टेशन होंगे भूमिगत

● इंदौर रेलवे स्टेशन ● राजवाड़ा ● छोटा गणपति ● बड़ा गणपति ● रामचंद्र नगर ● बीएसएफ/कलानी नगर ● एयरपोर्ट

### एयरपोर्ट व बड़ा गणपति से शुरू होगा निर्माण कार्य

कंपनी मेट्रो के अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट के लिए एयरपोर्ट व बड़ा गणपति के पास वेयर हाउस की जमीन पर करीब 800 वर्ग मीटर हिस्से में खुदाई कर अंडरग्राउंड मेट्रो की टनल बनाने वाली टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) को जमीन की 20 मीटर गहराई में उतारा जाएगा।

### छह-छह मीटर चौड़ी दो सुरंगें होंगी तैयार

इस प्रोजेक्ट में जमीन के नीचे मेट्रो की अप व डाउन लाइन के लिए छह-छह मीटर चौड़ी दो सुरंगनुमा रास्ते तैयार होंगे।

## पोषण भी-पढ़ाई भी, पर एक दिवसीय कार्यशाला आज

### महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया करेंगीं शुभारंभ

**भोपाल (नप्र)।** 'पोषण भी-पढ़ाई भी' कार्यक्रम के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला बाल विकास विभाग के संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला कार्यक्रम अधिकारियों के उन्मुखीकरण के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल के होटल रेडिसन में 18 मार्च को प्रातः 9:30 बजे किया जा रहा है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया इस कार्यशाला का शुभारंभ करेंगी।

केन्द्र सरकार के 'पोषण भी-पढाई भी' कार्यक्रम के तहत प्रदेश की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकताओं को नेशनल करिकल्म फॉर अर्ली चाईल्डहूड केयर एण्ड एजुकेशन 2024 (आधारशिला) एवं नेशनल फ्रेमवर्क फॉर अर्ली चाईल्डहूड स्टीमूलेशन 2024 (नवचेतना) के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा। दो चरणों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 से 22 मार्च 2025 और 24 से 26 मार्च को होगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों के पालकों को बाल विकास को प्रेरित करने के संबंध में जागरूक करने, पोषण संबंधी गतिविधियों, 3-6 वर्ष के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और बच्चों में दिव्यांगता एवं विकास में देरी के संबंध में पालकों को जागरूक करने जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

## पेपरलेस बूथ की प्रक्रिया का प्रचार-प्रसार कराने नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश

**भोपाल(नप्र)।** राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव, नवीन प्रणाली 'पेपरलेस बूथ' के माध्यम से कराने की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि इसके लिये जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी (सेंस) तथा मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त कर जानकारी जल्द भेजें। इनको राज्य स्तर पर प्रशिक्षण दिलाया जायेगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा है कि नवीन प्रणाली 'पेपरलेस बूथ' की जानकारी से मतदाताओं, अभ्यार्थियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को परिचित कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। इससे वे निर्वाचन के पूर्व नवीन मतदान प्रणाली से भली भांति परिचित एवं अभ्यस्त हो सकेंगे।

# प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से प्रदेश में मिलेगा फुटबाल को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

## प्रधानमंत्री ने अमेरिकन पॉडकास्ट में बताया शहडोल में बसा है मिनी ब्राजील, शहडोल के मिनी ब्राजील की गूंज अमेरिका तक

### प्रधानमंत्री ने शहडोल दौरे को किया याद, कहा चार पीढ़ियों से लोग खेल रहे फुटबाल

**भोपाल (नप्र)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकन पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ विस्तार से बातचीत में मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के दौरे की स्मृतियों को साझा की। पॉडकास्ट में पीएम श्री मोदी ने शहडोल जिले के जनजातीय बाहुल्य गांव विचारपुर की चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले की यात्रा में उन्हें उस जगह के बारे में पता चला, जहां के निवासियों में फुटबॉल के प्रति अटूट प्रेम है। वे अपने क्षेत्र को मिनी ब्राजील कहते हैं। अमेरिकन पॉडकास्ट में पीएम श्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां सेंट्रल पार्ट ऑफ इंडिया में मध्यप्रदेश एक स्टेट है, वहां शहडोल एक जिला है, शहडोल जिला बहुत बड़ा ट्राइबल बेल्ट है, जहां काफी ट्राइबल लोग रहते हैं वहां ट्राइबल महिलाएं स्व-सहायता समूह चलाती हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शहडोल यात्रा में स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों और शहडोल संभाग की फुटबाल क्रांति के प्रणेता खिलाड़ियों से मिलकर चर्चा की और उनका उत्साह बढ़ाया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शहडोल जिले के भ्रमण की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि मैं उनसे बातचीत कर रहा था। शहडोल में देखा कि स्पोर्ट्स की ड्रेस पहने हुए वहां 80 से 100 के करीब नौजवान, छोटे बच्चे, सभी लोग एक ही प्रकार से बैठे थे। मैं उनके पास गया, उनसे पूछा कि आप लोग कहां से हैं? जवाब मिला, हम मिनी ब्राजील से हैं। मैंने खिलाड़ियों से पूछा कि मिनी ब्राजील क्या है? तो खिलाड़ियों ने बताया कि हमारे गांव विचारपुर को लोग मिनी ब्राजील कहते हैं। मैंने फिर पूछा कैसे मिनी ब्राजील कहते हैं? खिलाड़ियों ने बताया कि हमारे गांव में हर परिवार में चार पीढ़ियों से लोग फुटबॉल खेलते आ रहे हैं। गाँव से 80 से अधिक नेशनल प्लेयर निकले हैं। पूरा गाँव फुटबॉल को समर्पित है और वो कहते हैं कि हमारे गांव का इंडिविजुअल मैच जब होता है, तो 20 से 25 हजार दर्शक तो

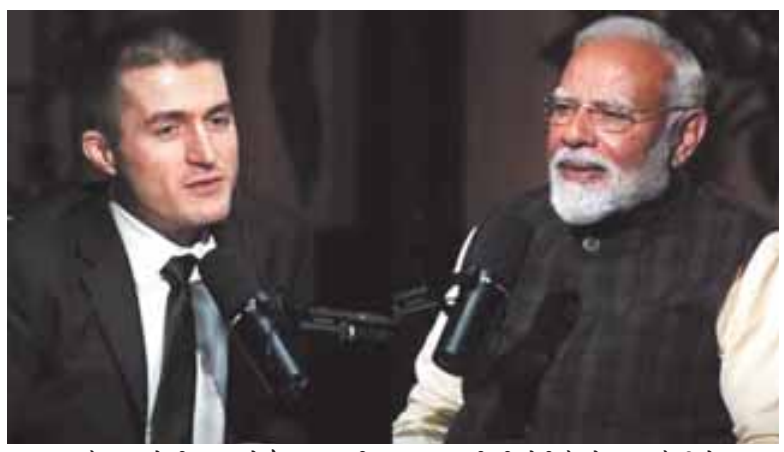

आसपास के गांव से ही आ जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में फुटबॉल का क्रेज इन दिनों बढ़ रहा है, मैं उसके लिए शहडोल के मिनी ब्राजील को शुभ संकेत मानता हूं। इससे टीम स्पिरिट पैदा होती है।

**प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माना आभार-** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रोत्साहन के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे शहडोल ही नहीं पूरे प्रदेश के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में फुटबाल को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिये राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। हमारी खेल अकादमियों के खिलाड़ियों राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन किया है।

**पूर्व कमिश्नर श्री शर्मा ने भी किया प्रोत्साहित-** शहडोल संभाग में फुटबाल को प्रोत्साहित करने के लिए शहडोल संभाग के पूर्व कमिश्नर श्री राजीव शर्मा की पहल पर फुटबाल खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के प्रयास किये गए है। इसके अपेक्षित परिणाम मिल रहे हैं। शहडोल जिले के ग्राम विचारपुर गांव सहित शहडोल संभाग के लगभग सभी गांवों में फुटबाल क्लबों का गठन किया गया है तथा फुटबाल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

**मन की बात में भी हो चुका है जिक्र-** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूर्व में भी मन की बात कार्यक्रम में भी शहडोल संभाग की फुटबाल क्रांति के संबंध में चर्चा की जा चुकी है, जिससे शहडोल संभाग के फुटबाल खिलाड़ियों में नया उत्साहवर्धन हुआ है।

## संपादकीय

# खाकी का घटता रौब

अगर कानून के रखवाले पुलिस वालों की ही जान सुरक्षित नहीं है तो इसका अर्थ यह है कि प्रदेश में कानून का राज और खाकी का इकबाल खत्म हो गया है। बीते एक हफ्ते में बिहार और मध्यप्रदेश में तीन ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें अपराधियों ने पुलिस पर न सिर्फ हमला किया बल्कि सहायक पुलिस इंस्पेक्टर स्तर के तीन अधिकारियों की जानें ले लीं। इनमे एक घटना मप्र के मऊगंज जिले में हुई तो दो घटनाएं बिहार के अररिया व मुंगेर जिले में हुई। इन तीनों घटनाओं में समानता यह है कि मारे गए पुलिस कर्मी लोगों का आपसी झगड़ा सुलझाने गए थे और बदमाशों ने उन पर ही जानलेवा हमला कर दिया। इसके दो संकेत हैं। पहला तो यह कि लोगों में अब पुलिस का कोई खौफ नहीं रहा। उन्हें इस बात की भी चिंता नहीं है कि पुलिसकर्मी की हत्या का अंजाम क्या होगा? दूसरे सभी तीनों मामलों में कनिष्ठ पुलिस अधिकारी पर्याप्त तैयारी और सुरक्षा बलों को साथ लिए बिना ही घटना स्थल पर जा पहुंचे थे। परिणामस्वरूप अपराधियों के हौसले और बुलंद हो गए। जहां तक बिहार की बात है तो कानून व्यवस्था हमेशा ही सवालों के घेरे में रही है, चाहे सरकार किसी भी पार्टी की हो। राज्य में अपराधियों द्वारा दो एएसआई स्तर के अधिकारियों की निर्मम हत्या के बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि पुलिस को आदेश दिए गए हैं कि अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाए, फिर चाहे उनका एनकाउंटर ही क्यों न करना पड़े। बिहार के कथित 'जंगलराज' से इतर मप्र में देखें तो यहां स्थिति वैसी नहीं है। सरकार को दावा करती है कि मप्र शांति का टापू है। लेकिन यहां भी अपराधी मौका लगते ही अपना रंग दिखा देते हैं। बघेलखंड के मऊगंज में जिन एएसआई रामचरण गौतम की अपराधियों ने हत्या की वो तहसीलदार व अन्य कर्मचारियों के साथ स्थानीय कोल आदिवासी व अन्य के बीच विवाद को सुलझाने गए थे। लेकिन आरोपियों ने उन पर ही जान लेवा हमला कर दिया। गौतम को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना में सभी आरोपी आदिवासी समुदाय से बताए जाते हैं। हो सकता है कि आदिवासी उनके साथ हो रहे अन्याय से क्रुद्ध हों, लेकिन किसी पुलिसकर्मी अथवा शासकीय कर्मचारी की जान लेने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। इस पूरे मामले को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। सरकार ने मृत एएसआई रामचरण को शहीद का दर्जा देते हुए उनके परिवार को 1 करोड़ रू. की आर्थिक सहायता और बेटे को सरकारी नौकरी देने का ऐलान कर पुलिस बल के मनोबल को गिरने से बचाया है। हालांकि मप्र में यह कोई पहली घटना नहीं है। रेत माफिया और उपद्रवी पहले भी पुलिस कर्मियों की जानें ले चुके हैं। तमाम कोशिशों और सख्ती के बाद भी यह सिलसिला रूका नहीं है। यही सबसे बड़ी चिंता का विषय है। सोचने का मुद्दा यह भी है कि एक तरफ पुलिस पर अक्सर यह आरोप लगता है कि वो सूचना मिलने के बाद भी घटनास्थल पर समय पर नहीं पहुंचती। अगर पहुंचती है तो उसके साथ क्रूर बर्ताव होता है। यह अपने आप में विरोधाभासी स्थिति है। खुद पुलिस को भी इस बारे में विचार करना होगा। जोखिम वाली जगह पर पुलिस प्रशासन को भी पूरी सावधानी के साथ जाना चाहिए। वो समय गया, जब लोग खाकी वर्दी से खौफ खाते थे। इसके लिए काफी हद तक खुद पुलिस वाले भी दोषी हैं, क्योंकि कर्तव्य पर जब भ्रष्टाचार हावी हो जाता है तो आपका नैतिक रौब भी अपने आप खत्म होने लगता है।

## नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

# राष्ट्रपति मुर्मू का समावेशी विकास यात्रा पर बल

**वस्तुत: यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का परिवर्तन के रोडमैप के लिए नई पीढ़ी को सन्देश है। यह सन्देश है पढ़े-लिखे बौद्धिक समाज के लिए भी जो आने वाले दो दशक में भारत निर्माण में अपना सक्रिय मुख्यधारा में रहकर योगदान देने वाले हैं। इसी माह 7 मार्च को संयुक्त राष्ट्र महासभा मुख्यालय में वैश्विक दक्षिण और महिला नेतृत्व: समावेशी राजनय के लिए हंसा मेहता फ्रेमवर्क पर कार्यक्रम संपन्न हुआ है। इसी की श्रृंखला में यदि हम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समावेशन के आह्वान को देखें तो यह पता चलता है कि यह जो समावेशी संस्कृति बनाने की बहस है वह विश्वव्यापी रूप से देखने को मिल रही है। इस बहुलवादी समाज में टकराव और सृजन की अनेक कहानियां हमें समावेशी होने की प्रेरणा देती हैं। विविध विषयों को संबोधित करते हुए समावेशी होने की बातें हो रही हैं। वास्तव में पीछे छूटे हुए समाज से किसी उन्नत सभ्यता की कल्पना नहीं की जा सकती। इसी को सहेजने की यह कोशिश है।**

समावेशी संस्कृति निर्मित करने की विश्व में बहस छिड़ी हुई है। सभी की प्रतिभागिता, सभी की गरिमा और सभी के उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कर पाना आज कठिन सा हो गया है। विश्व में उलझनों, विसंगतियों और वंचना की त्रासदियों की कहानी किसी से आज छुपी नहीं है क्योंकि सोशल मीडिया व सूचना और तकनीकी के युग ख़बरें बहुत तेजी से फैलती हैं और वायरल होकर जन-जन तक पहुँच जाती हैं। सभ्यताओं के संघर्ष से मुक्ति मिल नहीं पा रही है लेकिन आशावादी समाज सदैव यह कोशिश कर रहे हैं कि सभी किसी न किसी प्रकार से समावेशी समाज का हिस्सा बनें और सबको उन्नति, विकास और सुख की प्राप्ति हो। कुछ ऐसी ही बात भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में कही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा हमारे युवाओं में करुणा, संवेदनशीलता और राष्ट्र-प्रेम की भावना अवश्य होनी चाहिए। देश और देशवासियों के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना सभी युवाओं का कर्तव्य है। आप जैसे सक्षम युवाओं को देश के पिछड़े और वंचित वर्गों के लोगों के लिए अवश्य कार्य करना चाहिए। अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते हुए आपको यह ध्यान रखना है कि जो विकास की यात्रा में पीछे रह गए हैं उनकी ओर हाथ बढ़ाकर उन्हें भी आगे लाना है। तभी समावेशी और स्थाई विकास संभव होगा। मुझे विश्वास है कि आप देश और समाज की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

वस्तुतः यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का परिवर्तन के रोडमैप के लिए नई पीढ़ी को सन्देश है। यह सन्देश है पढ़े-लिखे बौद्धिक समाज के लिए भी जो आने वाले दो दशक में भारत निर्माण में अपना सक्रिय मुख्यधारा में रहकर योगदान देने वाले हैं। इसी माह 7 मार्च को संयुक्त राष्ट्र महासभा मुख्यालय में वैश्विक दक्षिण और महिला नेतृत्वः समावेशी राजनय के लिए हंसा मेहता फ्रेमवर्क पर कार्यक्रम संपन्न हुआ है। इसी की श्रृंखला में यदि हम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समावेशन के आह्वान को देखें तो यह पता चलता है कि यह जो समावेशी संस्कृति बनाने की बहस है वह विश्वव्यापी रूप से देखने को मिल रही है। इस बहुलवादी समाज में टकराव और सृजन की अनेक कहानियां हमें समावेशी होने की प्रेरणा देती हैं। विविध विषयों को संबोधित करते हुए समावेशी होने की बातें हो रही हैं। वास्तव में पीछे छूटे हुए समाज से किसी उन्नत सभ्यता की कल्पना नहीं की जा सकती। इसी को सहेजने की यह कोशिश है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की यह कोशिश रहती है कि हम उनकी बात करें जो मुख्यधारा में नहीं हैं। किसी न किसी कारण से पीछे छूट रहे हैं या वंचना के शिकार हैं। वह शिक्षा पर भी बल दे रही हैं। राष्ट्रपति ने पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर आह्वान की हैं कि मैं विश्वविद्यालय के सभी नीति-निर्माताओं से कहना चाहूंगी कि यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री लिंकेज और फ्यूचर रीडीनेस पर अधिक काम करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जिन विषयों में भी पढ़ाई कर रहे हैं, उनमें अप्लिकेशन बेस्ड शिक्षा होनी चाहिए। वह एक सुरक्षित भारत का स्वप्न देखते हुए अपने नई पीढ़ी से यह भी अपेक्षा करती हैं कि आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा और प्रतिस्पर्धा की भावना भी लोगों में बढ़ती रहेगी। इसलिए यह ज़रूरी है कि हर विद्यार्थी के पास चुनौतियों का सामने करने के लिए पॉजिटिव माइंडसेट और एडवांस स्किलसेट हो।

शिक्षा में भी प्रतिस्पर्धा के टूल्स, टेक्निक, पॉलिसी और मैकेनिज्म बदलते जा रहे हैं। इसमें जो देश सही मानव संसाधन नहीं तैयार कर सकेंगे, वे देश पीछे छुट जाएंगे। किसी देश के नागरिक ही तय करते हैं कि उनका देश किस स्थिति में रहे। इसलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भारतीय नई पीढ़ी में सुयोग्य जीवन और उनके सकारात्मक व रचनात्मक जीवन की अपेक्षा है। इसीलिए वह चाहती हैं कि भारत के विश्वविद्यालय, भारत का अकादमिक जगत और बौद्धिक समाज जो भी उत्पादन करे उसका लाभ देश को मिले। राष्ट्रपति प्रायः लड़कियों के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसक रही हैं। जब वह राज्यपाल थीं तो भी उन्होंने देश के अनेक दीक्षांत

समारोहों में लड़कियों के अच्छे प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। अब जब वह राष्ट्रपति हैं तो पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय की गर्ल्स स्टूडेंट्स की खूब तारीफ की है। उन्होंने खुद कहा मुझे बताया गया है कि इस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में लड़कों और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर है। लेकिन विश्वविद्यालय के टॉपर्स में 80 प्रतिशत से भी अधिक लड़कियां हैं। मैं सभी गर्ल स्टूडेंट्स को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि, लड़कियों को शिक्षित करने और सशक्त बनाने के महत्व को उजागर करती है, क्योंकि वे बाधाओं को पार करके हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करती हैं। ऐसी उत्कृष्ट प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए माता-पिता और विश्वविद्यालय की मैं सराहना करती हूं। एक शिक्षित लड़की न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को विकास की ओर ले जाती है।

समावेशी समाज की बुनियादी बात है कि भारत की सभी लड़कियों को प्रोत्साहन मिले और उनके कार्यों की प्रशंसा की जाए। देखा जाए तो बहुत से राज्य अभी भी लैंगिक असमानता का सामना कर रहे हैं। बहुत से राज्यों में स्त्रियों की शिक्षा-दीक्षा अभी भी हमें बहुत कुछ सोचने के लिए बाध्य कर रही हैं और इस पर समय-समय पर चिंता भी व्यक्त किया जाता रहा है। भारत में लैंगिक समानता के बिना न तो देश विकास कर सकता है और न ही उनके सशक्त बने ही देश को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। ऐसे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की यह सराहना उत्प्रेरक का कार्य करने वाली है। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। राघवेंद्र प्रसाद तिवारी निश्चय ही सराहना व अभिनन्दन के पात्र हैं कि उन्होंने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक दसवें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुलाया और राष्ट्रपति ने नई पीढ़ी को संबोधित करते हुए समावेशी समाज के लिए मानस बनाने का आह्वान कर नई सोचने-समझने का आयाम दिया है।

समृद्ध सह-अस्तित्व का एक मूलभूत सिद्धांत है समावेशिता। इसे छोड़कर पूरे विश्व के लोग सामाजिक न्याय की कल्पना नहीं कर सकते। अब सभ्य कामकाज को बढ़ावा देने पर बल दिया जा रहा है। सतत विकास लक्ष्य- 2030 का आठवां लक्ष्य है कि समावेशी एवं टिकाऊ आर्थिक विकास, रोज़गार एवं सभ्य कामकाज को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भारत को अपनी विकसित यात्रा करनी है। दिन जाते देरी नहीं लगते। तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ना है। बिना समावेशी संस्कृति के भारत यह लक्ष्य हासिल कर ही नहीं सकता। भारत के राष्ट्राध्यक्ष की ओर से इसलिए इस ओर ध्यान दिलाना और उस पर सक्रिय होने का आह्वान करना आज के समय की मांग भी है और उन्होंने इसे जिम्मेदारीपूर्वक सबके बीच रखा भी। उन्होंने अपनी बात एक शैक्षिक संस्थान में की है जिससे इसको सभी लोग समझें और इस दिशा में आगे बढ़ें, यह महत्त्वपूर्ण बात है।

अब देखना यह है कि उनके इस आह्वान को कितनी गंभीरता से लिया जा रहा है और हम किस प्रकार के राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका तय कर पाते हैं। फिलहाल, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह सन्देश एक ऐतिहासिक मोड़ देने के लिए बहुत ही अहम् है। यदि सकारात्मक परिणाम भी आएं तो निःसंदेह उनका सम्मान होगा।

## विश्व राजनीति

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक पत्रकार हैं।

# हाफिज सईद जैसे मानवता के हर दुश्मन को मरना चाहिए

*जिसका जन्म हुआ है, उसका अंत सुनिश्चित है। श्रीमद्भगवत गीता में अध्याय दो में इस बात को बहुत गहराई के साथ श्रीकृष्ण से अर्जुन को समझाया है। 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।' अर्थात् जन्मने वाले की मृत्यु निश्चित है और मरने वाले का जन्म निश्चित है; पर जो मानवता को नकारता है, अपने को श्रेष्ठ मानने एवं अन्य जो उसके विचार के समर्थन में नहीं, उन्हें प्रताड़ित करने और उनके अस्तित्व को ही समाप्त कर देने में विश्वास रखता है, वास्तव में ऐसे मनुष्यों को तो बार-बार जन्म लेने के बाद भी जितनी जल्दी हो मर जाना चाहिए, इसी में मानवता की भलाई है।*

*पाकिस्तान से खबर आई कि लश्कर ए तैयबा के सरगना हाफिज सईद को गोली लग गई है। उसका राइट हैंड अबू कताल मारा गया। कुछ समाचार चेनल तो यहां तक पुष्ट कर रहे हैं कि हाफिज भी मारा जा चुका है, सिर्फ उसके मरने की पुष्टि होना शेष है। अब कहना यही है कि यदि वह नहीं मरा है तो मर जाए, और मर गया है तो इससे अच्छा कुछ हो नहीं सकता। क्योंकि इस्लामिक जिहाद के नाम पर गैर मुसलमानों पर जुल्म करना जिसकी सोच में रहा है, वह संपूर्ण मुष्यता का शत्रु है, उसका तो मर जाना ही अच्छा है।*

*कहना होगा कि हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा का संस्थापक है। संयुक्त राष्ट्र ने हाफिज सईद को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर रखा है और अमेरिका द्वारा इस पर 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) का इनाम रखा गया है। सईद भारत में कई बड़े आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड रहा है, यही कारण है कि वह भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी है। 2001 में संसद हमले में संलिप्तता। वर्ष 2006, मुंबई लोकल ट्रेन धमाके जिसमें कि 209 लोगों की मौत हो गई, इस हमले में भी यह शामिल रहा, 26/11/2008 के मुंबई हमलों का गुनहगार है ये, जिसमें कि 166 लोगों की जान चली गई थी।*

*2016 में उरी हमला, जिसमें 19 भारतीय सैनिक हुतात्मा हुए थे और फिर 2019 पुलवामा हमला, जब 40 सीआरपीएफ*

*जवान हुतात्मा हो गए थे में हाफिज की संलिप्तता पाई गई। इसके अलावा अन्य कई आतंकी हमलों को इसने भारत में अंजाद दिया है। इसलिए हर हाल में भारत सरकार उसके प्रत्यर्पण के लिए प्रयासरत रही है।*

*हाफिज सईद के बारे में कहा जाता है कि उसने सऊदी अरब में जाकर कट्टर इस्लामिक विचारधारा को अपनाया और 1980 के दशक में अफगानिस्तान में जिहादियों के साथ मिलकर आतंकवादी गतिविधियों की ट्रेनिंग ली थी। उसके बाद इसका एक ही लक्ष्य रहा कि कैसे भी गैर मुसलमानों को अपने टार्गेट में लिया जाए, खासकर भारत के प्रति इसकी शत्रुता एवं हिन्दू समाज के प्रति इसकी नफरत कई बार सामने आती रही है। पर इसके साथ यहां यह भी एक चमत्कार जैसा ही है कि भारत के और मानवता के शत्रुओं को मारकर ठिकाने लगाने का सिलसिला अदृश्य हो जानेवाले कुछ लोगों द्वारा योजना से चल पड़ा है। अब तक कई आतंकियों को पाकिस्तान में मार गिराया गया है जोकि मजहब या पंथ के नाम पर मनुष्यों के बीच आपसी द्वेष पैदा कर रहे थे।*

*वस्तुतः पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों के टारगेटेड किलिंग का सिलसिला बीते कुछ सालों से देखने को मिल रहा है। 2021 में भी इस आतंकी हाफिज सईद पर हमला हुआ था, पर वह बच निकला था, लेकिन इस बार उसका साथी अबू कताल को मार गिराया गया। ये अबू कताल वही है जिसने भारत में नौ जून 2024 को घात लगाकर बस पर हमला किया था। हमले में नौ लोगों की जान चली गई थी और 44 अन्य घायल हुए थे। इसी ने एक जनवरी 2023 को जम्मू कश्मीर के राजौरी सेक्टर के अंतर्गत आने वाले धागरी में सात लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी।*

*देखने में आया कि वर्ष 2022 के दौरान कंधार विमान हाइजैकर जहूर इब्राहिम की पाकिस्तान में हत्या कर दी गई थी। इसी तरह से लाल मोहम्मद की हत्या नेपाल के काठमांडू में की गई। 20 फरवरी 2023 को कुपवाड़ा के रहने वाले हिजबुल मुजाहिदीन के लॉन्चिंग कमांडर आतंकवादी बशीर अहमद पीर की भी अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। इसके बाद 22 फरवरी 2023 को आतंकी एजाज अहमद को अफगानिस्तान में मार गिराया गया। फिर 26 फरवरी को 2023 को पाकिस्तान के अल बद्र के पूर्व कमांडर सैयद खालिद रजा की हत्या कर दी गई।*

*भारत की मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में शामिल सैय्यद नूर शालोबर की चार मार्च 2023 को खैबर पख्तूनख्वा में हत्या कर दी गई। अक्टूबर 2023 में जैश के आतंकी शाहिद लतीफ को सियालकोट में अज्ञात हमलावरों ने मार गिराया था। ख्वाजा शाहिद को पांच नवंबर 2023 को पीओके में मार दिया गया। यह भारतीय सेना के कैंप पर 2018 में हमले का आरोपी था। नौ नवंबर 2023 को लश्कर आतंकी अकरम खान खैबर पख्तूनख्वा में मार दिया गया था। इसी माह में मौलाना रीहमुल्ला को कराची में मार दिया गया था। वह भारत के विरोध में तकरीरें करता था। दिसंबर 2023 में कराची में अज्ञात हमलावरों ने अदनान अहमद उर्फ हंजला अदनान की हत्या कर दी गई। उसका नाम पंपोर में सीआरपीएफ पर हुए हमले के आरोपितों में शामिल था। वर्ष 2024 में हाफिज सईद के ही करीबी लश्कर के आतंकी आमिर सरफराज की पाकिस्तान के लाहौर में हत्या कर दी गई।*

*वस्तुतः लश्कर-ए-तैयबा की राजनीतिक शाखा का चीफ मौलाना काशिफ अली हो या आईएसआई का अंडरकवर एजेंट मुफ्ती शाह मीर अथवा अन्य आतंकी रहीम उल्लाह तारिक, लश्कर आतंकी अकरम गाजी, जियाउर रहमान जैसे मानवता विरोधी और भारत के दुश्मन इन दिनों एक के बाद एक ये सभी मार गिराए जा रहे हैं। बेशक यह रहस्य बरकरार हो कि इन्हें मारनेवाले ज्यादातर अभी तक अज्ञात हैं, लेकिन इसी के साथ बहुत जिम्मेदारी के साथ यह कहना होगा कि जो भी इन आतंकियों का काल बनकर सामने आ रहा है, वास्तव में वह विश्व परिदृश्य में मानवता की बहुत बड़ी सेवा कर रहा है। यदि कोई मजहब या पंथ के नाम पर आतंक की दुकान चलाने लगे और निर्दोष लोगों की जान लेने लगे तो अच्छा यही है कि ऐसे मनुष्यता के दुश्मनों को देश के रक्षकों के द्वारा जितनी जल्दी हो उतना ही जल्द मार गिराया जाए, वह अच्छा है।*

## निर्मल आनंद

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# शेरदिल

उसके रोमांच की सीमा नहीं थी। खोजी पत्रकार, वन विभाग के अधिकारी या वाइल्ड लाइफ चैनल वाले जो नहीं कर पाए, ऐसा कारनामा कर दिखाने का मौका उसे मिल रहा था। जंगल के राजा ने उसे इंटरव्यू देने के लिए अपनी मांद में आने की अनुमति दे दी थी। वह शेर के साथ शाम की चाय पीने वाला था।

बब्बर शेर के सामने आते ही उसकी घिग्घी बंध गई। सेवक लंगूर ने उसे ढाढ़स बँधाया और कहा कि डरे नहीं, मृगेंद्र उसे नुकसान नहीं पहुँचाएँगे, उनका पेट भरा हुआ है। लंगूर ने बताया कि केवल भूख लगने पर या आत्मरक्षा के लिए ही केहरी किसी को मारते हैं। जानवरों का शिकार करना उनके लिए आवश्यक है क्योंकि वे मांसाहारी हैं, शाकाहार से उनका पेट नहीं भर सकता।

वह हिम्मत जुटाकर शेर के सामने बैठ गया। वनराज के लिए ब्लडरेड और उसके सामने ग्रीन टी आ गई। चाय पीते हुए बातचीत होने लगी। संयमित और शांत रहने के लिए जीवन के समस्त अनुभव का सहारा लेकर उसने अपनी बात रखी- 'आप आए दिन शिकार किया करते हैं, फिर भी आपकी गुफा में किसी मनुष्य या जानवर की खाल में भूसा भरकर नहीं सजाया गया है। आप अपनी बहादुरी का प्रदर्शन क्यों नहीं करना चाहते?'

सिंह के चेहरे पर मुस्कान उभरी- 'इसके बावजूद हमारे पराक्रम की धाक तो है न?' नाहर के चेहरे पर संजीदगी उभर आई- 'हम अनावश्यक शिकार नहीं करते। केवल अपने मजे के लिए किसी की जान से खिलवाड़ नहीं करते। दूसरों का हक मारकर अपनी मांद नहीं भरते। अपने शिकार से लकड़बग्घा या सियार जैसे जानवरों द्वारा भूख मिटाये जाने का बुरा नहीं मानते। कभी किसी खरगोश जैसे कमजोर जानवर का शिकार नहीं करते। बड़े से बड़े जानवर को द्वंद्व युद्ध में परास्त करते हैं, छिपकर, मचान पर चढ़कर या सैकड़ों लोगों से हाँका लगवाकर बिना सामने आए वार करके धोखे से किसी को नहीं मारते।'

'आप जानवरों के राजा तानाशाही से बने हैं या जंगल में चुनाव होते हैं?' उसने डरते हुए पूछ लिया।

मृगराज ने उसे घूरकर देखा। डर के मारे वह बेहोश होनेवाला था कि सिंह ने ठहाका लगाया- 'हमें जंगल के राजा का खिताब मनुष्यों ने दिया है, किसी जानवर ने नहीं। सभी हमारे स्वभाव से परिचित हैं कि हमारे इलाके में कोई दूसरा शेर आकर शिकार नहीं कर सकता। सभी वन्यप्राणी अपनी अपनी मर्यादा का पालन करते हुए जंगल में आराम से दिन बिताते हैं। शिकार वही करते हैं जिन्हें जरूरत होती है, केवल डींग मारने के लिए नहीं। हमारी शारीरिक ताकत कुदरत की देन है लेकिन हम उसका सहारा लेकर किसी पर अत्याचार नहीं करते।

जंगल में चुनाव नहीं होता। यहाँ सब एक-दूसरे का समुचित सम्मान करते हैं।' उसने वनराज की साफगोई से

प्रभावित होकर हिम्मत दिखाई और विषय को बदल दिया- 'जंगल में आप सबसे ताकतवर हैं। सब आपकी दयादृष्टि की आकांक्षा रखते हैं। क्या आप भी किसी की आराधना करते हैं? यदि नहीं तो क्यों और हाँ तो किसकी?' मृगेंद्र के चेहरे पर भक्ति भाव उभर आए- 'हम शक्ति की उपासना करते हैं। शक्ति को वहन करने की क्षमता प्रदान करने के लिए हम प्रकृति के कृतज्ञ हैं।' 'हम मनुष्य, शक्ति की पूजा माँ मानकर करते हैं', उसने वनराज की बात को आगे बढ़ाया।

'उन्हीं देवी माँ ने हमें अपना वाहन बनाकर संदेश दिया है कि कभी अपनी ताकत का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए', शेर ने आदरभाव से अपनी बात रखी- 'सभी जानवर सहअस्तित्व के सिद्धांत पर चलते हैं इसीलिए हमसे किसी को खतरा नहीं होता।' उसका काम हो चुका था। इससे पहले कि जंगल के राजा का मूड बदले, वह विनम्रतापूर्वक उनसे विदा लेकर चला आया।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

**प्रधान संपादक**
उमेश त्रिवेदी
**कार्यकारी प्रधान संपादक**
अजय बोकिल
**संपादक (मध्यप्रदेश)**
विनोद तिवारी
**वरिष्ठ संपादक**
पंकज शुक्ला
**प्रबंध संपादक**
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

## व्यंग्य

लाल बहादुर श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# सिर से सिंग की तरह गायब हो गए होली के हीरो गधे

होली के समय आंखों के सामने अतीत के फ्लेश बैक में होली के हीरो रहे गधों की होली पर आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। चार पांच दशक पूर्व उस समय मैं जब छोटा था होली की हुड़दंग गांव शहर में ही नहीं पूरे देश में बड़े जोर शोर से होती थी। गली गली दुलत्ती मारते गधो के दिव्य दर्शन हो जाया करते थे ।होली पर निकलने वाली सभी गैर में कम से कम एक गधा तो होता ही था । उस गधे पर रंगो से पुते टोली के हर सदस्य को बैठने का परम सौभाग्य सुख मिलता था।अफलातूनी कपड़ों में रंगों से काले पीले लाल गुलाबी चेहरे से लिपे पुते रंगों में एक दूसरे को देख ठिठौली करते बड़ा मजेदार दृश्य होता था।सभी रंगों में एक अद्भुत रंग चमारिया रंग होता था बिल्कुल काला । इस रंग में रंगे आदमी को पहचानना बड़ा ही टेडी खीर होता था।ढ़ोल ढ़माको के साथ गधे की सवारी बड़ी शान से की जाती थी । दो तीन दिन पहले ही गधों की एडवांस बुकिंग टोलियों द्वारा एडवांस राशि उनके मालिकों को? देकर कर ली जाती थी । क्या पता एन वक्त पर गधा मिले या नहीं । उस दौरान गधों के साथ साथ उनके मालिको की पूंछ परख बड़ी हुआ करती थी । गधों को लाल पीले गुलाबी रंगों, हार फूल से सुसज्जित किया जाता था। होलियाना अंदाज के कपड़े भी पहनाए जाते थे। एक गांव की कहानी बड़ी आज भी रोचक है वहां हर नये दामाद को रंग लगाकर गधे पर बैठाकर पूरे गांव की सैर कराई जाती है दामाद की भी बल्ले बल्ले होती है इस बात के लिए कि उसे भी गांव के लोग गांव के भ्रमण के दौरान तरह तरह के गिफ्ट भी मुस्कराते हुए सहर्ष देते हैं। और गधे की खिलाई पिलाई भी साथ करते हैं।

टोली के निकलते ही गधा ऊंचे स्वर में राग भैरवी गाता ढ़ेचू ढ़ेचू का मधुर स्वर सुरीले कंठ से जब गूंजायमान होता ,तब दूर दूर तक यही सन्देश जाता है हम सभी एक स्वर में देश की एकता अखंडता के लिए खड़े रहे।हर गधा देश का सच्चा प्रहरी इसलिए कहलाता था अपने मालिक के प्रति वफादार होता था।मालिक जिस टोली के लिए उसे होली पर भेजता उसी टोली में पूरी ईमानदारी समर्पण भाव से सुबह से शाम तक टोली के साथ घूमता फिरता । होली का मजा दुगना तिगना कर देता था। बेचारा ! जो खिलाओ खा लेता था ।छोटे छोटे पानी से भरे कीचड़ में भी ये टोलियां कीचड़ में जाकर किचड़ उछालने का नेक काम करती थी ।गधे पर बैठा आदमी और टोलियां किचड़ कालिख पोतकर सच्चे प्रेम का इजहार करती थी ।

उस जमाने में होली पर गधा भी एंग्री यंग मैन? की भूमिका में रंगों में , किचड़ मे शान से सना लिपटा होता था।सारे इंसानी जुल्म बेरहम जमाने के बड़े प्यार से सह लेता था।फिर होली तो उसकी भी थी । होली की टोलियां तो गधों के मेले में पहुंचकर इन्हें किराये पर लाती थी ।

समय कितना बलवान है उस दौर में होली के हीरो रहे गधे अब शहर और गांव के मोहल्ले से नो दो ग्यारह है इनके अस्तित्व को लेकर आज संकट देश में मंडरा रहा है । आज नकली गधे इतने अधिक पैदा हो गये है कि असली गधों की पहचान करना दुलभ हो गया है।

गधे होली की शान हुआ करते थे इन्हीं से होली के हुरियारों की जय-जयकार हुआ करती थी । जिस टोली के पास गैर में गधा होता था चार चांद उस टोली के होते थे।बीते वक्त के साथ साथ होली का स्वरूप बदलता गया। कहावत सटीक हो गई गधे के सिर से जैसे सींग गायब हुए वैसे शहर से गधे भी....

संस्मरण

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक स्तंभकार हैं।

# स्मृतियों के वातायन से झांकती बचपन की होली

**माटी की सुवास की भी एक धारा अंदर बही जा रही थी जिसमें घर की तैयार की गई देसी खाद का अर्क घुला हुआ था। कुछ गमलों में कैक्टस थे जो गमले के बगल से चुपचाप निकली जा रही अपराजिता एवं बोगनवेलिया की कमनीय छरहरी बेलों से छेड़खानी करने की जुगत में थे पर बेलों का ध्यान उन पर नहीं था। वे तो गुलाब और गेंदा के साथ अठखेलियां-गलबहियां कर रही थीं। हां, एक कैक्टस के कांटों पर बेलों की कुछ पत्तियां फंस-उलझ गयी थीं। वह कैक्टस खुश था मानों किसी तन्वंगी बेल का दुपट्टा हाथ में पा लिया हो और इसीलिए उसके चेहरे पर खुशियों के दो-तीन छोटे हल्के पीले-लाल फूल खिल उठे थे। मैंने गमले के कैक्टस पर पहली बार फूल देखे थे, मैं अपलक उस सौंदर्य को निहारता रहा। सहज सौंदर्य का रस छकने के बाद मैंने गेंदा-गुलाब के ऊपर झुक आई बेलों को ठीक किया, कुछ अवांछित सूखी टहनियां काट दीं। एक डोरी लगाकर बेलें व्यवस्थित कर दीं। अपनी नई सजी-धजी रूपराशि संभाले बेलें मुझे कनखियों से देख खिलखिला पड़ीं। मैंने देखा गुलाब की कली पर बैठा भ्रमर तेजी से उनकी ओर लपका।**

इसी होली के ठीक दो दिन पहले की एक खूबसूरत शाम को मैं छत पर रखे दर्जनों गमलों में पानी दे रहा था। गमले में खिले कनेर, गेंदा, गुड़हल, गुलाब और बेला के फूल मन मोह रहे थे। हर फूल की अपनी विशेष सुगंध, विशेष गुण-धर्म और उपयोगिता, कोई किसी से कम नहीं। सहसा मुझे लगा कि इन गमलों में विभिन्न प्रांतों का मानव समाज अपनी विशिष्ट संस्कृति-सभ्यता एवं योगदान के साथ प्रकट हो गया हो और अपनी सुवास और सौंदर्य से देश के फलक को जीवंत किए हुए हो। तभी एक भ्रमर कान के पास गुंजार करता निकला और गुलाब की कली पर बैठ गया। मेरी तंद्रा भंग हुई तो मैं फिर निराई-गुड़ाई के काम में जुट गया। गमलों में उग आई खरपतवार को पतले फल वाली खुरपी से निकाल यथावश्यक देशी खाद डालते फूलों की सुगंध को अपने अंदर महसूस कर रहा था।? माटी की सुवास की भी एक धारा अंदर बही जा रही थी जिसमें घर की तैयार की गई देसी खाद का अर्क घुला हुआ था। कुछ गमलों में कैक्टस थे जो गमले के बगल से चुपचाप निकली जा रही अपराजिता एवं बोगनवेलिया की कमनीय छरहरी बेलों से छेड़खानी करने की जुगत में थे पर बेलों का ध्यान उन पर नहीं था। वे तो गुलाब और गेंदा के साथ अठखेलियां-गलबहियां कर रही थीं। हां, एक कैक्टस के कांटों पर बेलों की कुछ पत्तियां फंस-उलझ गयी थीं। वह कैक्टस खुश था मानों किसी तन्वंगी बेल का दुपट्टा हाथ में पा लिया हो और इसीलिए उसके चेहरे पर खुशियों के दो-तीन छोटे हल्के पीले-लाल फूल खिल उठे थे। मैंने गमले के कैक्टस पर पहली बार फूल देखे थे, मैं अपलक उस सौंदर्य को निहारता रहा। सहज सौंदर्य का रस छकने के बाद मैंने गेंदा-गुलाब के ऊपर झुक आई बेलों को ठीक किया, कुछ अवांछित सूखी टहनियां काट दीं। एक डोरी लगाकर बेलें व्यवस्थित कर दीं। अपनी नई सजी-धजी रूपराशि संभाले बेलें मुझे कनखियों से देख खिलखिला पड़ीं। मैंने देखा गुलाब की कली पर बैठा भ्रमर तेजी से उनकी ओर लपका। उन्हें एकांत में छोड़ मैं आगे बढ़ गया। छत के दूसरे कोने में छायादार जगह पर पत्नी वंदना जी द्वारा गेंदा, चमेली, गुड़हल, गुलाब के फूल सूखने हेतु चादर पर फैलाए गये थे। इन फूलों से होली खेलने के लिए रंग और गुलाल बनाये जाते हैं। घर के मंदिर में पूजा-अर्चना हेतु वर्ष भर रंग-विरंगे पुष्प इन गमलों में उगाए पौधों से ही मिल जाते हैं। पूजा के फूलों को अगले दिन पत्नी एक बड़े गमले में मिट्टी में दबाती जाती हैं और एक महीने बाद बढ़िया देसी खाद बना लेती हैं। शेष खाली जगह पर गिलहरी और चिड़ियों के लिए चावल और मूंगफली के दाने बिखेरे गये थे। मैं बागवानी की इस हरी-भरी दुनिया में खोया हुआ था कि बगल की छतों पर बच्चों के हुड़दंग से नजर उधर गयी। देखा कि पड़ोस के 10-12 वर्ष के हमउम्र 8-10 लड़के-लड़कियां होली खेल रहे हैं। उनके हाथों में शायद अबीर-गुलाल नहीं है, हो भी नहीं सकता क्योंकि होली तो दो दिन बाद ही होगी। पर बच्चों के हाथों में कुछ है जो एक-दूसरे के चेहरों पर लगा रहे हैं। मैं उनके आनंद को जी भर लूट रहा हूं। अब वे सब गोल घेरे में बैठ गये हैं और कोई खाने की वस्तु आपस में बांटी जा रही है। ओह, अब समझा वे तो होली-होली जैसा कोई खेल खेल रहे हैं।? एक बच्चा साबुन के घोल में पतला स्ट्रा डुबोकर हवा में गोले उड़ाये जा रहा है। चारों ओर हवा में गोले उड़-तैर रहे हैं। डूबते सूरज की रोशनी पड़ने से उन गोलों पर सैकड़ों इंद्रधनुष उतर आये हैं। एक मंझोला इंद्रधनुषी गोला अपने परिवार से बिछुड़ मेरी ओर चला आया है। मैं चमकते गोले और इंद्रधन्वा को देख अपने बचपन कि ओर लौट रहा हूं। मैं झटपट इंद्रधनुष का एक सिरा पकड़ गोले के अंदर बैठ अपने गांव की ओर उड़ चला हूं। स्मृतियों के वातायन से मेरे गांव की बचपन की होली के विविध दृश्य और रंग मानस पटल पर बिखरने लगे हैं।

बुंदेलखंड का वह हमारा गांव 'बल्हान' वसंत पंचमी से ही होली की तैयारी में जुटने लगता। बड़े तालाब के किनारे होली का डांड पूर्णमासी को गाड़ दिया जाता। धीरे-धीरे वहां पर कंडे-उपले और लकड़ियां एकत्रित होती जातीं। मंदिरों और चौपालों में फगुवारे देर रात तक लोक कवि 'ईसुरी' की फागें गाते, राग अलापते। हारमोनियम, ढोलक, मंजीरा और कभी-कभी नगड़िया की थाप पर राई गाते-नाचते कृषक लौकिक दुख भूल राधाकृष्ण के अलौकिक प्रेम-रंग में रंगते जाते। खास बात यह थी कि यहां जाति की दीवारें नहीं थीं, परस्पर अपनेपन एवं स्नेह की छूही और गेरू से रंगा मन का खुला आंगन था। रंगभरी एकादशी को मंदिर में भगवान को रंग और अबीर-गुलाल चढ़ा होली का आरम्भ हो जाता। होली के दिन सभी अपने बल्हों (गाय के गोबर से बने कटोरीनुमा चपटी वस्तु जिसके बीच में छेद होता) को मूंज की सुतली में गूंथ मालाओं में से एक होलिका को समर्पित करते और दूसरी माला बदल कर घर ले जाते जो वर्ष भर घर में रखी रहती और अगले साल होलिका दहन में अर्पित की जाती। तब त्योहार केवल प्रेम के प्रतीक थे। आपसी मेल-जोल का रंग गाढ़ा था। बड़े-बूढ़ों के प्रति आदर-सम्मान आंखों में झलकता था। होलिका में जलते बल्हों को बाल्टी में डाल घरों में ले जाते और वह आग 'गोरसी' में उपला-कंडा लगा सहेज ली जाती। तब माचिस का प्रचलन नहीं था। उसी गोरसी की आग से हर दिन चूल्हा जलता और द्वार पर जाड़े में कौड़ा भी। घर की आग बुझ जाना उस घर की महिलाओं की नासमझी और फूहड़पन का प्रतीक था। तब पड़ोसी के घर से पुरुषों की नजर बचाकर बच्चों द्वारा चोरी-चुपके से आग मंगा ली जाती। ऐसा कोई घर न था जिसकी आग एक-दो बार न बुझी हो। मुझे किसी के यहां से आग मांगना या देने जाना अच्छा लगता था। खपरैल से एक छोटा खपरा निकाल उसमें कंडे की पची आग रख एक हाथ से पकड़ दौड़ते हुए जाते समय आग की आंच अंगुलियों को झुलसाने लगती थी पर बाद में मिलने वाली गुड़ की डली के सामने उस तपिश का कोई कष्ट न होता। धुलेंढ़ी में रंग खेले जाते। पलाश और सेमर के फूलों को दो दिन पहले घड़े-कलशे में पानी डाल भिंगो दिया जाता।

उससे लाल रंग तैयार होता। पालक और नीम के पत्ते पीसकर पानी में घोल और कपड़े से छानकर हरा रंग मिल जाता। पीला रंग तो हल्दी का बनता ही था। बड़े लोग पिचकारी की बोतलों में रंग भर लेते। एक बोतल से दिन भर का काम चल जाता। चाचा-ताऊ के हम 7-8 बच्चों को पिता जी आंगन में किशोर वय तरु जम्बू की छांव में बांस की पिचकारी बनाते। महिलाएं पकवान तलतीं। रिफाइंड तेल का जन्म नहीं हुआ था, डालडा वनस्पति मिलने लगा था पर घरों में गाय-भैंसें थीं तो देशी घी में तली गुझिया और सोहारी (पूड़ी) का स्वाद जीभ पर बना रहता। तब त्योहारों पर ही पूड़ियां बनती थीं तो हम बच्चे कड़ाही के इर्द-गिर्द जमा रहते। एक-एक पूड़ी और नमक मिलते ही हम बच्चे कुलांचे भरते अपनी दुनिया में रम जाते। शाम के समय महिलाएं लोटों में रंग लेकर रिश्ते के श्वसुरों को रंग डालतीं, पैर छूतीं और सुखी-संपन्न, संतुष्ट रहने का आशीष पा निहाल हो जातीं। देवर-भौजी की होली के रंग के अलग ही ठाठ होते। वैमनस्यता, कुटिलता एवं ईर्ष्या-द्वेष को तो मानो देश निकाला था। हंसी-ठिठोली के स्वर आंगन में नर्तन करते। हम बच्चे दिनभर के थके-हारे दिन ढलते ही जहां जिसके घर में जगह मिलती नींद में लुढ़क जाते।

मैं बचपन की किताब के पन्ने पलट रहा था कि तभी एक मोरनी झप्प से छत पर उतरी तो मेरे हाथ से इंद्रधनुष का सिरा सरक गया और मैं वर्तमान में छत पर दाना चुगती मोरनी के पंख देखने लगा जो योगिराज कृष्ण के किरीट का शीर्ष बन गौरवान्वित हो गये।

---

राजनीति

जवाहर चौधरी

लेखक स्तंभकार हैं।

# एक दलीय शासन व्यवस्था की दस्तक

**"राहुल गांधी को नेता के रूप में प्रस्तुत करना और बढ़ाना यह कांग्रेस का अपना मसला हो सकता है लेकिन जनता के दृष्टि से भी यही हो आवश्यक नहीं। इस तरह जनता के बीच विश्वास और भरोसे का संकट कांग्रेस के लिए पैदा हो गया है। इस स्थिति का पूरा-पूरा लाभ भाजपा को मिलता है। यदि भाजपा में खामियां हैं और लोग उसे पसंद नहीं करते हैं तो भी उनके सामने मजबूरी यह है कि कोई विकल्प नहीं है। राहुल जनता के सामने अकेले पेश होते हैं तो लगता है मात्र वे ही कांग्रेस हैं। जबकि कांग्रेस में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो जमीनी स्तर पर मजबूत है। लेकिन पार्टी उन्हें जनता के सामने प्रस्तुत करती है। प्रायः देखा गया है कि राहुल गांधी अपने पक्ष को अभिव्यक्त करने में पूरी तरह से सफल नहीं होते है। दुर्भाग्यवश उनके बयान अक्सर हल्के में लिए जाते हैं। देश का नेतृत्व करने कि दृष्टि से उनका राजनीतिक अनुभव अपर्याप्त है। खासकर नरेंद्र मोदी के सामने वे एक मजबूत नेता की तरह नहीं है। इस तरह पार्टी और नेतृत्व दोनों ही स्तरों पर कांग्रेस ठोस कदम उठाने कि जरूरत है।"**

कांग्रेस अपने समय के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। उसके साथ एक साथ कई चुनौतियाँ हैं। सबसे बड़ी चुनौती तो भाजपा की सशक्त सरकार है। बीजेपी एक साथ सत्ता के कई बिंदुओं को साध रही है। विभिन्न संगठनों के रूप में जमीनी कार्यकर्ताओं की एक बड़ी फौज उसके पास है। उसने मीडिया को जिस तरह से साथ ले लिया है वह भी कांग्रेस के लिए बड़ी दिक्कत है। कांग्रेस का पक्ष कोई रखने को तैयार नहीं है। हां कांग्रेस की खामियां जरूर बढ़ाचढ़ा कर पेश की जाती है। कांग्रेस का सबसे बड़ा संकट यह भी है कि उसके पास एक विश्वसनीय केंद्रीय नेतृत्व का अभाव है। राहुल गांधी को नेता के रूप में प्रस्तुत करना और बढ़ाना यह कांग्रेस का अपना मसला हो सकता है लेकिन जनता के दृष्टि से भी यही हो आवश्यक नहीं। इस तरह जनता के बीच विश्वास और भरोसे का संकट कांग्रेस के लिए पैदा हो गया है। इस स्थिति का पूरा-पूरा लाभ भाजपा को मिलता है। यदि भाजपा में खामियां हैं और लोग उसे पसंद नहीं करते हैं तो भी उनके सामने मजबूरी यह है कि कोई विकल्प नहीं है। राहुल जनता के सामने अकेले पेश होते हैं तो लगता है मात्र वे ही कांग्रेस हैं। जबकि कांग्रेस में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो जमीनी स्तर पर मजबूत है। लेकिन पार्टी उन्हें जनता के सामने प्रस्तुत नहीं करती है। प्रायः देखा गया है कि राहुल गांधी अपने पक्ष को अभिव्यक्त करने में पूरी तरह से सफल नहीं होते है। दुर्भाग्यवश उनके बयान अक्सर हल्के में लिए जाते हैं। देश का नेतृत्व करने कि दृष्टि से उनका राजनीतिक अनुभव अपर्याप्त है। खासकर नरेंद्र मोदी के सामने वे एक मजबूत नेता की तरह नहीं है। इस तरह पार्टी और नेतृत्व दोनों ही स्तरों पर कांग्रेस ठोस कदम उठाने कि जरूरत है।

बीच बीच में कांग्रेस की अंतरकलह तथा असंतोष उभर जाते हैं। ज्योतिरादित्य अपने लश्कर के साथ चले गए। हाल ही में शशि थरूर जैसे बड़े और महत्वपूर्ण नेता ने अपना असंतोष जाहिर किया है। पी चिदंबरम का उपयोग पार्टी नहीं कर पा रही है। इनके जैसे वरिष्ठ और महत्वपूर्ण नेताओं गुलाम नबी आज़ाद, आनंद शर्मा, कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी, विवेक तनखा आदि को गुमनामी झेलना पड़ रही है। रैली, प्रदर्शन या वक्तव्य के समय कांग्रेस की ओर से राहुल और प्रियंका ही सामने हो जाते हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए वे मान्य नेता हो सकते हैं लेकिन जनता के लिए भी हों यह आवश्यक नहीं है। यह चिंता की बात है कि जमीनी स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ता बिखर गए हैं। आज वे कांग्रेसी जिन्होंने भाजपा को ज्वाइन कर लिया है वह भी बचे हुए लोगों के लिए उम्मीद की किरण बने हुए हैं। यदि भाजपा अपने दरवाजे खोल दे तो कांग्रेस के तमाम कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर जाने में शायद परहेज न करें। पार्टी में राहुल के प्रति कितना भरोसा और विश्वास है यह जानना जरूरी है। जबकि इस बिंदु पर जिम्मेदार लोग आंख बंद किए बैठे हैं। इस समय कांग्रेस के कार्यकर्ता सर्वाधिक उपेक्षित और निराशा में डूबे हुए हैं। इन्हें संभालने और बचाए रखने की जरूरत है। केंद्रीय या राज्य स्तर के कांग्रेस नेताओं का जमीनी कार्यकर्ताओं से संपर्क कमजोर है। गुटबाजी कांग्रेस की एक और बड़ी समस्या है जिसका इलाज की और ज्यादा जरूरत है। अनेक राज्यों में गुडबाजी के कारण शर्मनाक स्थिति बनी। मध्य प्रदेश की चुनी हुई सरकार गुटबाजी के कारण हस्तगत हो गई। इसका मलाल वोटर को अभी तक है।

देश की जनता लोकतंत्र को बचाए रखना चाहती है। और यह भी सच है कि भाजपा के शासन को उसके समर्थकों के अलावा लोग पसंद नहीं करते हैं। यदि कोई भी विकल्प जनता को मिलेगा तो वह उसे अवसर देने से चूकेंगे नहीं। कम्युनिस्ट पार्टी एक राष्ट्रीय दल रहा है लेकिन अभी वह शून्य होकर कहां विलीन है पता नहीं। लोकतंत्र की रक्षा के लिए विपक्ष का होना बहुत जरूरी है। जबकि भाजपा का इरादा कांग्रेस मुक्त भारत बनाना है। अगर कांग्रेस समाप्त हो गई तो भाजपा के लिए कोई चुनौती सामने नहीं रह पाएगी। क्षेत्रीय दल अपने ही क्षेत्र में सिर उठाते हैं लेकिन वह भी पूरी तरह से प्रभावी नहीं है। ना ही कोई क्षेत्रीय नेता इस प्रकार का है जिसे राष्ट्रीय फलक पर बैठाकर जनता संतोष कर सके। बड़ी संख्या के कारण अखिलेश, ममता और नीतीश समय-समय पर चर्चा में आते हैं लेकिन खारिज हो जाते हैं। भाजपा ने तो लगभग मान लिया है कि उसके सामने किसी भी दल की चुनौती नहीं है। संभव है कि वह एक दलीय शासन व्यवस्था के बारे में सोचने लगे हो। यदि ऐसा होता है तो यह देश के लिए बहुत कठिन समय होने जा रहा है। अभी भी भाजपा सरकार अपने विचार के हिसाब से सारी चीजें तय कर लेती है। राम मंदिर, 370 और तीन तलाक जैसे मामलों में उसका आत्मविश्वास बढ़ा है। सदन में राहुल को प्रतिपक्ष नेता के रूप में लोग देखते जरूर हैं लेकिन उन्हें गंभीरता से नहीं लेते हैं। राहुल पर भजपा के जो हमले होते हैं वह प्रायः उनकी खिल्ली उड़ाने वाले होते हैं। ऐसे में है राहुल को अकेले सामने आने की अपेक्षा एक टीम के रूप में मोर्चा लेना चाहिए। पत्रकार वार्ताओं में हालांकि कांग्रेस को स्थान नहीं मिलता लेकिन जो मिलता है वह भी उनके पक्ष में नहीं हो पता। ऐसे में पत्रकार वार्ता के लिए भी कांग्रेस को टीम के साथ सामने आना बेहतर है।

---

# आखिर हम देश के प्रति कैसी अवधारणा का संज्ञान लें?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

*लोकतंत्र की राजनीति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चलते अपनी-अपनी अवधारणा के अनुरूप देश की वर्तमान एवं भावी स्थिति का आकलन किया जा रहा है। हर कोई उनकी अपनी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर देश की तस्वीर उकेरने में सक्रिय है। एक पक्ष इस दौर में सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार होते दर्शा रहा है, तो दूसरा पक्ष देश के वर्तमान और भविष्य की भयावह तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक बिरादरी का हर एक वर्ग देश को लेकर सकारात्मक सोच रखता है या फिर नकारात्मक। यहां तक तो सब कुछ स्वाभाविक माना जा सकता है। लेकिन नागरिकों का वह वर्ग जिनकी अपनी कोई स्पष्ट राजनीतिक विचारधारा नहीं होती, एक प्रकार से असमंजस की स्थिति में आ जाता है।*

*वर्तमान दौर में जबकि तकनीकी विस्तार के चलते हर एक बात और विचारधारा कुछ इस तरह वायरल होती है कि देखते ही देखते जगत में आम हो जाती है। इसके चलते इधर की और उधर की दोनों ओर की धारणा हर किसी के मानस पटल पर अंकित हो जाती है। अब जिनकी अपनी कोई एक स्पष्ट राजनीतिक धारणा होती है, उनके लिए बहुत आसानी के साथ पक्ष या विपक्ष में से किसी एक की अवधारणा और अधिक पुख्ता हो जाती है। लेकिन जो वर्ग राजनीति के प्रति तटस्थ भाव रखता है, उसके लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि वास्तव में देश विकास के पथ पर अग्रसर है या विनाश के। ऐसी स्थिति का सीधा असर यह होता है कि फिर वह आमतौर पर मतदान में भाग नहीं लेता या फिर बिना सोचे समझे मत का उपयोग कर लेता है।*

*दरअसल इन तमाम परिस्थितियों के चलते आम नागरिकों के मनोमस्तिष्क में देश की कोई स्पष्ट तस्वीर उभर कर नहीं आती। वैसे ऐसी स्थिति से वही दो चार होते हैं जो सिर्फ अपने काम से काम रखा करते हैं। निश्चित रूप से यह वर्ग राजनीति से इसलिए भी परहेज करता है कि वह राजनीति में व्याप्त तमाम विकृतियों को लेकर निराशा का अनुभव करता है। जिसके चलते वह इतना अंतर्मुखी हो जाता है कि केवल और केवल अपने और अपने परिवार के बारे में ही सोचता है। देश व समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को नहीं समझ पाता। आमतौर पर इस वर्ग की चिंता का विषय अपने और अपने परिवार के जीवन स्तर को संवारने और आने वाली पीढ़ी के समक्ष अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना ही रहा करता है।*

*लगभग हर एक राजनीतिक विचारधारा के औचित्य को सही ठहराने वाले तमाम तरह के आंकड़े होते हैं। वास्तविकता कोई एक होती है, लेकिन तमाम तरह के तर्क-वितर्क के आधार पर, तमाम किंतु-परंतु करते हुए अपनी अवधारणा को जन-जन के बीच परोसने की दिशा में पक्ष और विपक्ष दोनों ही सक्रिय होते हैं। वैसे तो जाहिर तौर पर आंकड़े झूठ नहीं बोलते लेकिन आंकड़ों की सहायता से तो कुछ भी सिद्ध किया जा सकता है। इसके चलते पुरजोर तरीके से अपने-अपने अभिमत को तर्कसम्मत करार देने के हर स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। हालांकि इस प्रक्रिया पर आपत्ति नहीं की जा सकती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, इसलिए राजनीति में अपनी बात वजनदारी के साथ कहना या रखना स्वाभाविक भी है।*

**"वर्तमान दौर में जबकि तकनीकी विस्तार के चलते हर एक बात और विचारधारा कुछ इस तरह वायरल होती है कि देखते ही देखते जगत में आम हो जाती है। इसके चलते इधर की और उधर की दोनों ओर की धारणा हर किसी के मानस पटल पर अंकित हो जाती है। अब जिनकी अपनी कोई एक स्पष्ट राजनीतिक धारणा होती है, उनके लिए बहुत आसानी के साथ पक्ष या विपक्ष में से किसी एक की अवधारणा और अधिक पुख्ता हो जाती है। लेकिन जो वर्ग राजनीति के प्रति तटस्थ भाव रखता है, उसके लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि वास्तव में देश विकास के पथ पर अग्रसर है या विनाश के।"**

*लेकिन पिछले कुछ समय से दिवंगत पूर्ववर्ती राजनेताओं की रीति-नीति को भी जमकर आड़े हाथों लिया जाने लगा। विशेष कर पिछले 10 वर्षों के दौरान पूर्ववर्ती राजनेताओं को इस कदर दोषी ठहराया गया जैसे कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश निरंतर हर क्षेत्र में पिछड़ता ही गया था। लेकिन यह तथ्य किसी के गले नहीं उतर सकता। राजनीति में विरोधी का विरोध करना गलत करार नहीं दिया जा सकता। लेकिन जिनसे प्रत्युत्तर की कोई आशा ही शेष न हो, उन पर सवाल दागते हुए जवाब की अपेक्षा कैसे की जा सकती है ? लेकिन विगत 10 वर्षों में ऐसा अनेक बार प्रचारित किया गया कि कल के नेता ही आज की बदहाली के लिए दोषी हैं। जाहिर है कि इसका प्रत्युत्तर तो विरोधी खेमे से आना ही था और आया भी। परिणाम यह निकला कि जो कल तक निर्विवाद थे आज विवादास्पद हो गए।*

*ईंट का जवाब पत्थर से देने की प्रक्रिया में अनेक दिवंगत राष्टभक्तों की निष्ठा एवं नीयत पर भी सवाल उठाया गया। इसके चलते हर एक महापुरुष का व्यक्तित्व और कृतित्व जमकर निशाने पर लिया गया। जी भरकर आलोचना की गई और यहां तक कि उनकी राष्ट के प्रति समर्पित निष्ठा के प्रति भी संदेह जाहिर किया गया। आज स्थिति यह है कि शायद ही देश में राजनीतिक बिरादरी का सर्वमान्य शिखर पुरुष या यूं कहे कि महापुरुष हो ! इस स्थिति के चलते देश की राजनीति का मूल स्वरूप कुछ इस कदर क्षत-विक्षत हो गया कि जो कल तक विशुद्ध राष्ट्रवादी विचारधारा से पोषित थे, उनके अंतर्मन में राजनीति के प्रति विरक्ति भाव और अधिक उत्पन्न होने लगा। नीति और सिद्धांतों पर आधारित राजनीति की दुहाई देने वाला वर्ग धीरे-धीरे राजनीति से किनारा करने लगा।*

*राजनीति के इस खेल में न केवल दिवंगत राजनेताओं को निशाना बनाया गया अपितु जन-जन के आराध्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को भी अपनी विचारधारा से जोड़कर प्रचारित किया जाने लगा। परिणाम यह हुआ कि जन-जन के आराध्य देव का भी एक प्रकार से राजनीतिकरण होने लगा। इसके चलते आम नागरिकों की धार्मिक और राष्ट्रवादी भावना भी काफी हद तक आहत हुई। यही नहीं अपितु अमुक जाति इस दल की समर्थक है और अमुक जाति उस दल की समर्थक है, ऐसा जमकर प्रचारित एवं प्रसारित किया जाने लगा। धार्मिक मर्यादाओं का पालन हालांकि एक व्यक्तिगत विषय होता है, लेकिन उसका भी राजनीतिकरण करने में कोई कसर शेष नहीं रखी गई।*

*राजनीति में धर्म एक अच्छा विचार हो सकता है लेकिन देखते ही देखते धर्म में भी राजनीति की घुसपैठ होने लगी। अब भला इन हालातो में आज की युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी अपने ही देश के प्रति कैसी भावना रखेगी ? सब कुछ गड़बड़ हो गया है। अब निर्विवाद तो कहीं से कहीं तक कोई रहा ही नहीं है। आज स्थिति यह है कि स्वस्थ समाज में राजनीति और राजनेताओं के प्रति वह सम्मान नहीं है जो स्वतंत्रता संग्राम के दौर में या स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभिक दो-तीन दशकों में राजनेताओं के प्रति दिखाई देता था। इन तमाम परिस्थितियों में सवाल उत्पन्न होता है कि हम देश के वर्तमान और भविष्य को लेकर आखिर कैसी अवधारणा को अपने अंतर्मन में स्थापित करें ?*

# पंखे बंद, अतिक्रमण की चपेट में बस स्टैंड परिसर, यात्री हो रहे परेशान

## बस स्टैंड पर सुविधाओं का अभाव, नपा नहीं दे रही ध्यान

**बैतूल।** शहर के बस स्टैंड का संचालन भगवान भरोसे हो रहा है। यहां न ही यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है और न ही यहाँ पंखे चल रहे है। ठंडे पानी के लिए आर ओ मशीन होने के बावजूद भी यात्री परेशान होते है। लोगों का कहना है कि बस स्टैंड से नपा को राजस्व कम मिलने के कारण नगरपालिका भी व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रही है। जिसका खामियाजा यात्रियों को परेशान होकर चुकाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि बैतूल के कोठीबाजार में स्थित मुख्य बस स्टैंड से प्रतिदिन दो से तीन हजार यात्री सफर करते हैं। बस स्टैंड से पूरे जिले में बसों का संचालन होने के साथ-साथ यंहा से बसें भोपाल, इंदौर के अलावा महाराष्ट्र के नागपुर, अमरावती, पुणे आदि शहरों में भी जाती है। इसलिए यात्रियों की संख्या काफी ज्यादा होती है। बस स्टैंड का यात्री प्रतिक्षालय हमेशा यात्रियों से भरा रहता है। बैठक क्षमता कम होने के कारण यात्रियों को कई बार प्रतीक्षालय में खड़े होकर ही इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में बस स्टैंड पर सुविधाओं का अभाव होने से यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

**पंखे बंद, जगह-जगह फैली रहती है गंदगी-** तापमान 36 डिग्री के आसपास पहुंच गया है, अब दिन में तेज गर्मी का अहसास होने लगा है। ऐसे में बस स्टैंड परिसर के पंखे बंद होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह है कि बस स्टैंड परिसर में साफ-सफाई का भी अभाव बना हुआ है। यहां जगह-जगह कचरे के ढेर लगे रहते है। गंदगी के कारण मक्खी-मच्छर पनपते रहते है। बदबू चलने से यात्रियों को परेशानियों का भी सामना करना पडता है। नगरपालिका साफ-सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रही है। यात्री पान-गुटखा खाकर बस स्टेंड के अंदर ही थूक देते है। जिससे काफी गंदगी पड़ी रहती है।

### टेंडर नहीं होने से नपा भी नहीं दे रही ध्यान

नगरपालिका को बस स्टैंड से आय नहीं हो रही है। इस वजह से नगरपालिका भी बस स्टैंड पर ध्यान नहीं दे रहा है। पहले बस स्टैंड पर आने वाली बसों से नपा वाहन विराम शुल्क वसूला जाता हैं, लेकिन टेंडर नहीं होने से पिछले दो सालों से बसों से वाहन विराम शुल्क की वसूली बंद है। जबकि बसें रोजाना स्टैंड पर नाइट हाल्ट करती हैं। नपा को टेंडर नहीं होने से सलाना लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है। बस स्टैंड से वाहन विराम शुल्क नहीं मिलने से नगरपालिका ने बस स्टैंड की सुविधाओं की तरफ भी ध्यान देना बंद कर दिया गया है। जिसका खामियाजा बस स्टैंड पर आने वाले यात्रियों को चुकाना पड़ रहा है।

### अतिक्रमण की चपेट में बस स्टैंड का अधिकांश एरिया

बस स्टैंड का अधिकांश एरिया अतिक्रमण की चपेट में है। यहां बस स्टैंड के अंदर और प्रवेश द्वार पर लोगों ने अपनी दुकाने लगा रखी है। जिसकी वजह से आने-जाने वाले यात्रियों को दिक्कत होती है। कुछ लोगों ने दुकानें बढ़ाकर अतिक्रमण कर लिया हैं, लेकिन नपा द्वारा अभी तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई। जिसके कारण यहां दुकानदारों के हौसले बुलंद है। बस स्टैंड के अंदर छोटे बच्चे के साथ आने वाली महिलाओं के लिए बनाए गए आंचल कक्ष पर भी कतिपय दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। यहां पर्याप्त बैंच नहीं होने की वजह से कई यात्री खड़े रहकर ही बसों का इंतजार करते है। जिससे महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

### अव्यवस्थित तरीके से खड़ी रहती हैं बसें

**बैतूल।** शहर के बस स्टैंड पर बसों को व्यवस्थित खड़ा नहीं किया जाता है। बसे अस्त-व्यस्त खड़ी रहती है। जिसके कारण यहां अव्यवस्था और जाम की स्थिति बनती है। चालक सड़क पर ही बसे खड़ी करके सवारियां भरते हैं। लेकिन नगरपालिका सहित स्थानीय प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

सभी ऑटो बस स्टैंड परिसर के आसपास ही खड़ी रहती है। इससे बस स्टैंड का सौंदर्यीकरण तो बिगड़ ही रहा है, साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। शाम और दोपहर के समय हालात ऐसे हो जाते हैं कि लोगों का बस स्टैंड के पास से वाहन निकालना भी मुश्किल हो जाता है। बस चालकों ने बताया कि अस्त-व्यस्त बसे खड़ी होने से बसों को खड़ा करने जगह नहीं बचती और उन्हें मजबूरी में जहां जगह मिलती है, वहीं बसे खड़ी करना पड़ता है। इसी कारण बस स्टैंड पर बार-बार जाम लगता है। कई बार वाहनों के बेतरतीब खड़े किये जाने से बस और अन्य वाहन चालकों के बीच लेकर विवाद भी हो जाता है। बस ऑपरेटरों का कहना है कि नगरपालिका को बस स्टैंड पर बसों को खड़ा करने व्यवस्था बनानी चाहिए।

### इनका कहना है -

जो पंखे बंद पड़े है और खराब है, उनको जल्द ही सुधरवाया जायेगा। इसके अलावा अन्य व्यवस्थाएं बनाने के लिए भी संबंधित को कहता हूं।
**- ब्रजगोपाल परते,** वरिष्ठ राजस्व अधिकारी, नपा बैतूल

## संभागायुक्त ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

### पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराए जाने के दिए निर्देश

**बैतूल।** जिले में कक्षा 12वीं और 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न की जाए। यह निर्देश संभागायुक्त के.जी. तिवारी ने सोमवार को जिले के भ्रमण के दौरान शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त श्री तिवारी सबसे पहले कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भौंरा के परीक्षा केंद्र पहुंचे। यहां परीक्षा का जायजा लिया और

नकल विहीन परीक्षा कराए जाने के कड़े निर्देश दिए। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैठक व्यवस्था में सुधार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों की कुर्सियों में पर्याप्त दूरी रहे। इसके बाद उन्होंने सीएम राइस शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री तिवारी ने परीक्षा कक्षों का जायजा लिया और परीक्षा संचालन की व्यवस्था को परखा। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा की सुचिता को बनाए रखने और पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती शिल्पा जैन, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल सिंह कुशवाह, एसडीम अभिजीत सिंह सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

## टीकाकरण की आवश्यकता एवं महत्व विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आज

**बैतूल।** स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17 मार्च से 22 मार्च 2025 तक संचालित विशेष टीकाकरण केचअप अभियान की जनजागृति के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ.रविकांत उईके ने बताया कि निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय ''टीकाकरण की आवश्यकता एवं महत्व'' है। इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्रा भाग ले सकते हैं। निबंध लेखन के लिए आज 18 मार्च 2025 को प्रातः 11 बजे कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आईपीपी-6 कारगिल चौक बैतूल के सभाकक्ष में उपस्थित होना होगा। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय रहेंगे। निबंध में प्रथम, पुरस्कार 700 रूपए, द्वितीय पुरस्कार 500 रूपए एवं तृतीय पुरस्कार 300 रूपये, 100 रूपये के 5 सांत्वना पुरस्कार नगद प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता के अंत में पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

## ऑटो पार्ट्स की दुकान में लगी आग, पांच मोटरसाइकिल सहित लाखों की सामग्री जल कर खाक

**बैतूल/मुलताई।** बीती रात लगभग 12 बजे मुलताई नगर के बैतूल रोड स्थित अंश ऑटो पार्ट्स की दुकान में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आपके शोले आसमान छूने लगे। इस आगजनी में पांच मोटरसाइकिल सहित टायर और ऑटो पार्ट्स की लाखों रुपए मूल्य के सामग्री जलकर राख हो गई। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑटो पार्ट्स की

दुकान के संचालक ललीत पाटेकर दुकान के पिछले भाग जोकी ग्राम प्रमंडल के पास ही रहते थे घटना की जानकारी लगते पाटेकर परिवार ने ग्रामीणों को बुलाया और आग पर काबू पाने का प्रयास प्रारंभ किया। इसी दौरान आगजनी की सूचना ग्रामीणों ने नगर पालिका को दी, सूचना मिलते ही मुलताई नगर पालिका की दोनों फायर वाहन फायर टीम के साथ मौके पे पहुंची और सबसे पहले बिजली ऑफिस कॉल कर के बिजली बंद करने का कहा इसके बाद आग पे काबू के प्रयास प्रारंभ हुए और 1 घंटे की मशक्कत के बाद नगर पालिका के कर्मचारियों ने आग पर नियंत्रण पानी में सफलता हासिल की, किंतु तब तक दुकान में रखा पूरा सामान एवं 5 के लगभग मोटरसाइकिल भी पूरी तरह से जल गई थी। आग लगने का कारण दुकान मालिक द्वारा शार्ट सर्किट बताया गया।

## सामाजिक जन कल्याण समिति बैतूल का पारिवारिक मिलन समारोह 23 मार्च को

**बैतूल।** सामाजिक जन कल्याण समिति बैतूल का पारिवारिक मिलन समारोह 23 मार्च रविवार को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन शहीद भवन, शिवाजी चौक, बैतूल में सुबह 10 बजे से होगा, जिसमें समाज बंधुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। समारोह का शुभारंभ प्रातः 10 बजे पूज्य भंते जी के सानिध्य में दीप प्रज्वलन और पूजा से होगा। इसके बाद वरिष्ठजनों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान महिला वर्ग द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य अतिथियों का उद्बोधन प्रातः 11.30 बजे होगा। इसके बाद समाज के युवाओं और बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता रखी गई है, जिसमें विजेताओं को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। दोपहर 1 बजे समिति का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। समारोह के दौरान दोपहर 1.30 बजे समाज बंधुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है।

## तुगलकी निर्णय पलटा एक ही दिन में, बसें फिर से बैखौफ होकर दौड़ने लगी शहर में

**देवास, मोहन वर्मा।** देवास में पिछले दिनों ब्रिज के पास हुई सड़क दुर्घटना में बस की टक्कर से बेमौत मारी गई रीना ठाकुर की शव यात्रा के दौरान चक्काजाम और लोगों के आक्रोश को देखते हुए रविवार को प्रशासन और ट्रैफ़िक पुलिस द्वारा बस संचालकों की ताबड़तोड़ बुलाई

बैठक में आगामी 15 दिनों के लिए एक तुगलकी निर्णय लिया गया, जिस पर बैठक में सहमत हुए बस संचालकों ने 17 मार्च से ही हड़ताल पर जाने का निर्णय ले लिया।

कल हुए निर्णय के अनुसार इंदौर की और जाने वालीं बसें अब बस स्टैंड से बायपास होकर रसूलपूर होते हुए इंदौर जायेगी यानि बस स्टैंड से रसूलपुर के बीच शहर के वे हज़ारों नागरिक जो रोजाना अप डाउन करते है वे या तो बस स्टैंड जाएँ या फिर रसूलपूर से बस पकड़ें । इसी तरह उज्जैन अप डाउन करने वाले या जाने वालों को भी बस स्टैंड ही जाना होगा क्योंकि अब बसें बस स्टैंड से मक्सी रोड बायपास होकर उज्जैन जायेगी ।

इस निर्णय पर बैठक में सहमत हुए बस ऑपरेटरों ने सोमवार से हड़ताल पर जाने का निर्णय ले लिया मगर फिर आज सुबह आपसी चर्चा के बाद कल लिए गए निर्णय को बच्चों की परिक्षा और अप डाउन करने वालों के नाम पर वापस ले लिया गया और बसें यथावत दौड़ने लगी..

शहर में आम लोगों से जुड़े इस मुद्दे पर न तो भाजपा और न ही कांग्रेस के बड़े नेताओं की तरफ से कोई प्रतिक्रिया आई है,हां कांग्रेस नेता प्रदीप चौधरी ने जरूर सुबह बस ऑपरेटरों के साथ ट्रैफिक एसपी से मिलकर समस्या का त्वरित हल निकालने और बसों को पूर्ववत चलाने को लेकर चर्चा की थी,साथ ही मामले में संवेदनशील और आम नागरिक अपना आक्रोश सोशल मीडिया पर प्रकट करते रहे।

शहर में सड़क हादसे रोकने और बसों की अन्धाधुन्ध रफ्तार पर नियंत्रण को लेकर जो माहौल है वो किसी सकारात्मक दिशा में जाता नजर नहीं आ रहा है और फिलहाल तो आम नागरिक परेशान हो रहा है ..

## पीएचई और ठेकेदार की मिलीभगत से नलजल योजना में हो रहा भ्रष्टाचार, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

### ग्राम पंचायत तोरणवाडा का मामला

**बैतूल / आमला।** सरकार ने हर घर नल से जल पहुंचाने नलजल योजना की शुरुआत की, जिसके माध्यम से लोगों को घर तक शुद्ध जल पहुँचाया जाएगा, लेकिन धरातल पर नलजल योजना में भारी भ्रष्टाचार कर शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं का जमकर बंदरबांट किया है। गर्मी के दिन नजदीक आते ही अब लोग शिकवा शिकायत कर नलजल योजना की पोल खोल रहे हैं। आरोप है कि आमला ब्लॉक कि तोरणवाडा पंचायत में 1 करोड की लागत से नलजल योजना का कार्य हुआ हैं, लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच व उपसरपंच सहित अन्य लोगो ने एसडीएम को शिकायत कर भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, उन्होंने बताया कि नलजल योजना पीएचई विभाग के जिम्मेदार और ठेकेदार ने जमकर लीपापोती कि है। जिसके चलते हमारे ग्राम के लोगो को नलजल योजना का लाभ सही ढंग से नही मिल रहा हैं। लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पढ रहा है।

**सीमेंट से बना नल स्टैंड हुआ क्षतिग्रस्त-** ग्राम में जो नल स्टैंड बनाये गए है, वो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिसके चलते नलों में पानी आ रहा हैं वो बेतरतीब तरीके से बह रहा हैं। ग्रामीण यशवंत ने बताया कि टोटी से जब पानी आता है तो गुंडी में आधा ओर आधा बाहर पानी जाता हैं। इस तरह के कार्य से पानी का उपयोग सही ढंग से नही हो रहा हैं। ग्रामीणों ने जल्द कार्यवाई करने की मांग कि है कार्यवाई ना होने पर आंदोलन की चेतावनी भी गई है इस अवसर पर ग्राम तोरणवाडा के सरपंच लक्ष्मण धुर्वे, उपसरपंच यशवंत हुडे, शिवदयाल रहडवे,गोविंद हुडे आदि उपस्थित थे। जब इस संबंध में पीएचई के एसडीओ रवि वर्मा से उनके दूरभाष नंबर पर सम्पर्क किया तो उन्होंने काल रिसीव नही किया।

### इनका कहना है -

शिकायत आई है पीएचई के सम्बंधित को जांच के लिए निर्देश दिए है।
**- शैलेन्द्र बडोनिया,** एसडीएम आमला।

## गणगौर मेले में पूरे उत्साह से महिलाओं ने हिस्सा लिया

**बैतूल।** राजस्थानी महिला मंडल का गणगौर मेले का आयोजन प्रतिवर्षानुसार खुशबू लॉन में आयोजित किया गया। अनेकता में एकता का प्रतीक इस भव्य गणगौर मेले में सभी समाज की महिलाएं एकजुट होकर गणगौर मेला का लुत्फ उठातीं हैं। राजस्थानी महिला मंडल के द्वारा आयोजित गणगौर मेला प्रेरणादायक है। मंडल की सभी महिलाएं इस आयोजन को करने के लिए उत्साहपूर्वक बढ़चढकर इस मेले में अपनी सहभागिता करती हैं। इस मेले का आकर्षण का केन्द्र यहां का स्वादिष्ट व्यंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज प्रतियोगिता, म्युजिकल तंबोला है जिसका सभी महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया। सभी महिलाएं राजस्थानी परिधान पहने हुए थी। मेले में जो भी आए वे तारीफ किए बिना नहीं रह पाए।

## आगामी 7 दिनों में आयुष्मान कार्ड बनाने में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाए: कलेक्टर

**बैतूल।** कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को आयोजित समयसीमा की बैठक में आयुष्मान कार्ड की प्रगति की जनपदवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित सभी बीएमओ,बीपीएम, बीसीएम और सीएचओ उपस्थित रहें। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी ब्लॉक मेडिकल आफिसर, सीएचओ अन्य संबंधित मैदानी अमले को सख्त निर्देशित किया शेष बचे पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड बनाने में किसी प्रकार की लापरवाही मान्य नहीं की जाएगी। उन्होंने भैंसदही,आठनेर, प्रभातपट्टन और शाहपुर के बीएमओ लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने में सख्त हिदायत दी। उन्होंने कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को भी पूरी गंभीरता से आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 7 दिनों में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाएं। उन्होंने सभी बीएमओ को नवीन और पुराने लक्ष्य के

अनुरूप कार्ड बनाने के निर्देश दिए। बीएमओ अपने क्षेत्र में लीडरशिप लें। डोर टू डोर सर्वे कराए और कैंप भी आयोजित की जाएं। उन्होंने बीएमओ से आगामी रणनीति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रबी उपार्जन की समीक्षा कर उपार्जन सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में 15 मार्च से खरीदी प्रारंभ हो गया हैं। उन्होंने निर्धारित उपार्जन केंद्रों की ऑनलाइन एंट्री कराए। उपार्जन केंद्रों का भौतिक सत्यापन भी किया जाएं। उन्होंने कहा कि पंजीयन में तेजी लाए और पंजीयन का व्यापक प्रचार प्रसार भी कराए। सभी तहसीलदार पंजीयन का सत्यापन कराएं।

उपार्जन केंद्रों पर छांव, पानी, बारदाना सहित अन्य लॉजिस्टिक्स की भी उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि 1 अप्रैल से केंद्र सरकार की स्मार्ट पीडीएस व्यवस्था शुरू होने जा रही हैं। राशन वितरण में किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए राशन के पात्र हितग्राहियों का ई केवाईसी अवश्य कराएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने शिकायतों के निराकरण में कम प्रगति वाले को अपने परफॉर्मेंस में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराएं। 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी समाधान कराए।

## पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल कंडों की होली

**धार।** पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल से ओतप्रोत कंडो की होली का आयोजन धार में बीते 6 वर्षों से त्रिमूर्ति चौराहे पर हो रहा है। इस वर्ष कंडो की होली का पूजन का शुभारंभ संघ के विभाग कार्यवाह अरविंद चौधरी एवं समिति अध्यक्ष सचिन दवे द्वारा किया गया। 11 जोड़े द्वारा पूजन कर होली दहन किया गया। संपूर्ण परिसर को फूलों से सजाया गया था। विद्वान पंडित जी द्वारा मंत्रोच्चारण कर होली पूजन किया गया। होली में

होलीका एवं भक्त प्रहलाद की मूर्तियां भी लगाई गई थी। कार्यक्रम में समिति महामंत्री आशीष बोरासी, समिति संयोजक अभिषेक मिश्रा, नीतिश राजपुरोहित संरक्षक घनश्याम शर्मा , समिति उपाध्यक्ष जयराज देवड़ा रितेश अग्निहोत्री, धर्मेंद्र जोशी , समिति के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, अक्षय दोहरे, अभिनव चतुर्वेदी विजेंद्र ठाकुर, संदीप दवे, शैलेंद्र ठाकुर सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## खसरा विषय पर रील बनाओ प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

**बैतूल।** स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को स्वास्थ्य विभाग बैतूल द्वारा खसरा जागरूकता पर रील बनाओ प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में किया गया। सीएमएचओ डॉ रविकांत उइके ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों को विस्तार से खसरा रोग एवं टीकाकरण की जानकारी दी गई तथा उनकी भ्रांतियों का निवारण किया गया। सीएमएचओ डॉ.उइके ने बताया कि खसरा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य खसरा जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना और खसरा टीकाकरण के कवरेज को अधिकतम करना है। शासन द्वारा वर्ष 2026 तक मीजल्स रूबेला (एमआर) निर्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हम सबको मिलजुल कर खसरा रोग के टीकाकरण के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार करना है और बैतूल को खसरा मुक्त बनाना है।

**खसरा रोग को जड़ से मिटाने के लिए आमजन को जागरूक होना अति आवश्यक-** जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रांजल उपाध्याय ने बताया कि खसरा रोग को अभी भी देवी प्रकोप के रूप में समाज में मान्यता दी जाती है, जबकि वैक्सीन रोधक 12 बीमारियों में सर्वाधिक

जानलेवा घातक एवं तेजी से फैलने वाली यह वायरस की बीमारी है। 9 से 12 माह पर पहला एवं 16 से 24 माह पर दूसरा एमआर का टीकाकरण करवाकर बच्चों को सुरक्षित किया जा सकता है। जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती श्रुति गौर तोमर द्वारा बताया गया कि खसरा रोग को जड़ से मिटाने के लिये आमजन को जागरूक होना अति-आवश्यक है। समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रति मंगलवार व शुक्रवार को निःशुल्क टीकाकरण किया जाता है।

रील बनाओ प्रतियोगिता में 34 प्रविष्टियां दर्ज की गई जिसमें कुमारी तनिष्का धुर्वे कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल प्रथम, श्री वैभव उघड़े, श्री नैनिश हिरानी एवं दल कक्षा 7वीं आरडीपीएस बैतूल द्वितीय, कुमारी वाणी सूर्यवंशी कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरूस्कार कु.अनुष्का नागले कक्षा 9वीं द्रोणा पब्लिक स्कूल बैतूल, कु.तनिष्का मेहरा कक्षा 11वीं सर्वोदय हायर सेकेण्डरी स्कूल बैतूल, श्री श्रेयांश प्रजापति कक्षा 10वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, कुमारी वैष्णवी जनोरिया कक्षा 12वीं शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय बैतूल, कुमारी प्राचीं बर्डे कक्षा 6वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, कुमारी तितिक्षा साहनी कक्षा 6वीं एलएफएस स्कूल बैतूल, कुमारी विजयलक्ष्मी बिहारे कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, कुमारी वैष्णवीं नरवरे कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, श्री पार्थ माकोड़े कक्षा 6वीं आरडीपीएस बैतूल, श्री आराध्य यादव कक्षा 6वीं आरडीपीएस बैतूल को प्रदान किये गये। रील्स के निर्णायक जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय रहे। कार्यक्रम उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, प्रभारी जिला प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती मधुमाला शुक्ला, प्रभारी परिवार कल्याण शाखा भगत सिंह उइके, पुरस्कृत छात्र-छात्रा एवं उनके परिजन मौजूद रहे।

स्मृति शेष/ मनीष शंकर शर्मा

अम्बुज माहेश्वरी

# मां से मिली सेवाभाव की सीख, पुलिस सर्विस में सेवा ही रही सर्वोपरि

वर्ष 1992 में भारतीय पुलिस सेवा में चयन के बाद ज्वाईन करते जाते समय मां शकुंतला शर्मा ने एक बार मनीष शंकर शर्मा से कहा ये जो सिविल सेवाएं हैं आईएएस, आईपीएस, आईएफएस इन सभी में अंत में एस शब्द होता है यह सर्विस अर्थात् सेवा है। इसे अधिकांश अधिकारी सिर्फ करियर मानते हैं, तुम इसे हमेशा सेवा ही मानना ।

मां की यह बात उनके जीवन में ऐसी उतरी कि उन्होंने कभी कैरियर को प्राथमिकता ही नहीं दी और निरंतर सेवा भाव से ही हर जिले, प्रदेश, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने सदैव कार्य किया। मां से मिली सेवाभाव की सीख उनकी पुलिस सर्विस में सर्वोपरि हो रही। विगत दिवस श्री मनीष शंकर शर्मा ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वे अनंत में विलीन हो गए। स्व शर्मा ने एक वर्ष पूर्व अपनी मां के निधन उपरांत आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मां को महात्मा निरूपित करते हुए कहा था कि हमारी मां एक महात्मा थी, यद्यपि महात्मा शब्द महिलाओं के लिए निरूपित नहीं किया जाता परंतु - हमने अपनी मां को महात्मा के रूप ने ही जाना है, वह इसलिए कि वे एक महान आत्मा थीं जिनमे उन सब असाधारण, अद्वितीय और प्रेरणादायी मानवीय गुणों का समावेश था जो कि एक महात्मा में ही पाये जाते हैं । निरंतर सेवा का उनका भाव ऐसा था कि बस अन्य किसी में कभी देखने नहीं मिला। एक आईएएस अधिकारी की पत्नी होने के बावजूद वे हमेशा सबकी चिंता करती, सैकड़ों सेवा संस्थाओं से जुड़ी थीं वे। निःस्वार्थ शब्द को इस महात्मा (हमारी मां) ने अक्षरशः जीवंत किया है । हमारे इतने व्यापक परिवार को एक सूत्र में पिरोकर रख सकने की शक्ति केवल हमारी मां में ही थी। मां की एक सीख ने हमारे पूर्ण सेवाकाल को मानवता, समाज और विश्व की सेवा में समर्पित कर दिया।

स्व मनीष शंकर शर्मा का मां से बेहद लगाव था और ये उनकी मां के आशीर्वाद का ही प्रताप था कि उनकी सेवा काल के दौरान उनके कार्य से प्रभावित होकर अमेरिका के प्रमुख शहर सेन डिएगो में प्रथम बार किसी भारतीय के नाम पर एक दिन 20 जुलाई 2015 को 'मनीष शंकर शर्मा दिवस' घोषित कर दिया। अमेरिकी संसद ने उन्हें विशिष्ट संसदीय सम्मान से नवाज़ा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने 'नेशनल लॉ डे अवॉर्ड' दिया, भारत की लोकसभा अध्यक्ष ने पद्मश्री आरएन जुत्शी मेडल प्रदत्त किया। सेवाकाल में स्व शर्मा को अनेकानेक सम्मान प्राप्त होते रहे। वे हमेशा कहते थे कि कोई भी अवॉर्ड प्राप्त करने के मां से आशीर्वाद लेते समय वे यही कहती थीं कि यह मानवता की सेवा का प्रतिफल है और वे हमेशा उन्हें याद दिलाते थे कि यह आपकी अर्थपूर्ण सेवा की सीख को जो हमने जीवन में उतार लिया है और पद, प्रतिष्ठा, कैरियर के मोह में न रहकर सेवा को समर्पित रहे हैं ये उसी का परिणाम है। स्व मनीष शंकर शर्मा में असाधारण प्रतिभा थी उन्हें कुशल रणनीतिकार माना जाता था। तीन दशक से भी अधिक समय की नौकरी में वे प्रदेश के साथ साथ विदेश में सक्रिय रहे। उन्होंने दुनिया के चार महाद्वीपों में सेवाएं दीं। वे वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध सक्रिय बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल सिक्युरिटी, काउंटर टेरेरिज्म एंड पब्लिक पॉलिसी में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी। 1997 में वे एक साल के लिए संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत बोस्निया और हर्जेगोविना में प्रतिनियुक्ति पर गये। संयुक्त राष्ट्र मिशन से लौटने के बाद वे रायसेन, सतना, छिंदवाड़ा और खंडवा जिलों में एसपी रहे।

एसपी रहते अपनी जवाबदेह कार्यशैली, दूरदर्शिता, क्राइम कंट्रोल, लॉ एंड ऑर्डर में सुधार और व्यवहार कुशलता से उन्होंने अलग पहचान कायम की। विशेषकर कमजोर तबके के लागों को को न्याय दिलाने की उनकी प्रतिबद्धता जग-जाहिर थी। फरवरी 2005 में वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए, जहां मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के अंतर्गत उन्हें करीब तीन वर्षों के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी का सिक्योरिटी डायरेक्टर बनाया गया। यहां देशभर के 114 एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी इनके ऊपर थी।

अगस्त 2008 में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने उन्हें टी बोर्ड इंडिया के लिये वेस्ट एशिया एंड नॉर्थ अफ्रीका का डायरेक्टर बनाया गया। अपने करीब तीन साल की पोस्टिंग के दौरान इन्होंने टी बोर्ड के वैश्विक व्यापार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सितंबर 2011 में वे मध्यप्रदेश कैडर में लौट आए। उन्होंने आईजी भोपाल के तौर पर पुलिस सर्विस रिफॉर्म पर जोर दिया और पुलिस सर्विस में समय से प्रमोशन, पुलिसकर्मियों की समस्या के समाधान और पुलिसकर्मियों की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया। जिसके चलते वे जनता के साथ पुलिसकर्मियों में भी लोकप्रिय हुए। मई 2017 में उनकी पदोन्नति एडीजीपी पद पर हुई। उन्होंने आईएसआईएस की स्थापना, उसके मकसद, कार्यप्रणाली, वित्तीय संसाधनों पर वृहद अध्ययन किया, साथ ही इस पर काबू पाने के लिए एक वैश्विक रणनीति का तरीका भी बनाया। स्व मनीष शंकर शर्मा एक बेहतरीन वक्ता और लेखक भी रहे। वैश्विक आतंकवाद की प्रसिद्ध पुस्तक ग्लोबल टेररिज्म-चैलेंजेस एंड पॉलिसी ऑप्शंस में योगदान देने वाले वे एकमात्र भारतीय लेखक रहे। उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान, पदक और पुरस्कार मिले । वे यूनाइटेड नेशंस पीस मेडल, नेशनल लॉ डे अवॉर्ड, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अवॉर्ड, भारत के दस चुनिंदा आईपीएस अधिकारियों को मिलने वाला रोल ऑफ ऑनर और पद्मश्री 'आरएन जुत्शी मेडल' से भी सम्मानित हुए। प्रदेश सहित देश-विदेश में उनके उत्कृष्ट कार्यों, सेवाओं के लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। स्व मनीष शंकर शर्मा को श्रद्धांजलि..सादर नमन

## पेंशनर्स संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने संचालक को ज्ञापन सौंपा

**भोपाल (नप्र)।** संयुक्त पेंशनर्स संगठन (फोरम) के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को के.पी.शर्मा, संचालक पेंशन संचालनालय से भेंट कर मांगों का ज्ञापन सोपा। फोरम के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की है, जिसमें धारा 49 को हटाने, 60 वर्ष आयु के सभी सीनियर सिटीजन को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ देने, पुराने एरियर्स देने , डी.आर. देने में शासन का पक्ष, इत्यादि मुद्दे पर विस्तद्वर से चर्चा

की है। चर्चा अत्यंत ही सौहाद्रपूर्ण वातावरण में उपमुख्यमंत्री के निवास /कार्यालय में संपन्न हुई। चर्चा में फोरम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बी.के.बक्षी, चेयरमैन फोरम ने किया। इस उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में आर.के.शर्मा, वाइस चेयरमैन, अवधेश दुबे, कोषाध्यक्ष, सुरेश प्रधान, वाइस चेयरमैन, पी.आर.साहू, महासचिव बिजली विभाग कर्मचारी संघ, सुधीर पंडित कोषाध्यक्ष बिजली विभाग कर्मचारी संघ एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

## 'होरी हो ब्रजराज' का मानव संग्रहालय में आयोजन आज

भोपाल। होली के पारम्परिक गीत-संगीत और नृत्य के वासंती रंग 18 मार्च की शाम 6:30 बजे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के मुक्ताकाश में बिखरेंगे। टैगोर लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा 'होरी हो ब्रजराज' का रंगारंग आयोजन मानव संग्रहालय, विश्वरंग फाउंडेशन, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी, वनमाली सृजनपीठ तथा पुरू कथक अकादमी के सहयोग से किया जा रहा है। लोक रंगों में छलकती फागुनी छवियों की यह दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना क्षमा मालवीय के निर्देशन में मंचित होगी। इस प्रदर्शन में शहर के 50 से भी ज़्यादा कलाकार हिस्सा लेंगे। इस रूपक की मूल संकल्पना कवि-कथाकार संतोष चौबे ने की है। वाचिक स्वर कला समीक्षक विनय उपाध्याय का है। संगीत संयोजन संगीतकार संतोष कौशिक ने किया है। होली की दृश्य-छवियों पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी 'बिम्ब-प्रतिबिम्ब' भी आकर्षण का केन्द्र होगी। प्रस्तुति में दर्शकों का प्रवेश निःशुल्क है।

# डॉ. ऋषिका ए को सर्जिकल देखभाल में एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप पर शोध के लिए आईसीएमआर पीजी थीसिस अनुदान प्राप्त

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संस्थान में शैक्षणिक श्रेष्ठता और ज्ञान के आदान-प्रदान को एक प्रेरक परंपरा के रूप में विकसित कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से संकाय सदस्य और छात्र निरंतर उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग की तृतीय वर्ष की स्नातकोत्तर (एमडी) छात्रा, डॉ. ऋषिका ए. को आईसीएमआर पीजी थीसिस ग्रांट से सम्मानित किया गया है। यह अनुदान उनके शोध अध्ययन सर्जिकल एंटीमाइक्रोबियल प्रोफाइलैक्सिस का मूल्यांकन और स्वच्छ एवं अर्ध-स्वच्छ सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप हस्तक्षेप के कार्यान्वयन का प्रभाव पर आधारित है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. ऋषिका ए. को बधाई दी और उनके शोध की सराहना करते हुए कहा- डॉ. ऋषिका का अध्ययन एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है। अनुसंधान-आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध को संबोधित करना स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा में सुधार के लिए अत्यंत आवश्यक है। आईसीएमआर द्वारा यह मान्यता वैज्ञानिक अनुसंधान की नीति निर्माण और नैदानिक

अभ्यासों को दिशा देने में महत्व को दर्शाती है।

यह शोध डॉ. बालकृष्ण एस., प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स भोपाल एवं डॉ. शिल्पा एन. काओरे, प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस अध्ययन का उद्देश्य सर्जिकल प्रक्रियाओं में एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के उपयोग को अनुकूलित करना, सर्जिकल साइट संक्रमण को कम करना और एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध से लड़ना है। यह अध्ययन प्रशिक्षण एवं शिक्षा, संभावित ऑडिटिंग और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच फोकस ग्रुप चर्चा जैसी हस्तक्षेप रणनीतियों पर केंद्रित है, जिससे राष्ट्रीय (आईसीएमआर) और वैश्विक एंटीमाइक्रोबियल दिशानिर्देशों के अनुपालन को बढ़ावा दिया जा सके।

इस शोध में डॉ. अजय शुक्ला (एसोसिएट प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग), डॉ. शुभम अटल (एसोसिएट प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग) और डॉ. स्वागत ब्रह्मचारी (प्रोफेसर, जनरल सर्जरी विभाग) सह-मार्गदर्शक के रूप में योगदान दे रहे हैं। उनके मूल्यवान मार्गदर्शन ने इस शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह शोध अनुचित एंटीमाइक्रोबियल उपयोग, लंबे समय तक दवा के उपयोग और सर्जिकल प्रोफाइलैक्सिस में गलत दवा चयन जैसी प्रमुख चुनौतियों को संबोधित करता है। डॉ. ऋषिका का कार्य एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने की संभावना रखता है, जिससे दिशानिर्देशों के अनुपालन की बाधाओं को दूर किया जा सकेगा, टिकाऊ प्रिस्क्राइबिंग प्रथाओं को बढ़ावा मिलेगा और सर्जिकल वार्ड में रोगी सुरक्षा और उपचार परिणामों में सुधार होगा। आईसीएमआर पीजी थीसिस ग्रांट प्राप्त होना एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप में प्रमाण-आधारित हस्तक्षेपों के महत्व को रेखांकित करता है और एम्स भोपाल की शोध उत्कृष्टता और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है। इस अध्ययन के परिणाम नीतिगत सिफारिशों और नैदानिक अभ्यासों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने की उम्मीद है, जिससे एंटीमाइक्रोबियल उपयोग में सुधार होगा और मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सीय परिणाम प्राप्त होंगे।

## एम्स भोपाल के पीडियाट्रिक्स विभाग ने बच्चों में किडनी रोगों से प्रभावित परिवारों के लिए विशेष पैरेंट्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में बालरोग विभाग द्वारा 11 मार्च से 17 मार्च तक विश्व किडनी सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए पेंटिंग, डांस और फैशन शो जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट और नर्सिंग अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बालरोग विभाग के सभी संकाय सदस्यों समेत लगभग 150 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. (डॉ.) अजय सिंह द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, दुनिया भर में हर 10 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी रूप में क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित है। यदि समय रहते इसकी पहचान की जाए, तो गुर्दे के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है। बालरोग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) शिखा मालिक ने किडनी स्वास्थ्य के प्रति विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बालरोग विभाग समर्पण भाव से बच्चों के निदान और इलाज में कार्यरत है, जिससे इन बच्चों को बेहतर जीवन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान किडनी रोग से पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों ने अपने अनुभव साझा किए। एक अभिभावक, जिनकी बच्ची अंतिम चरण की किडनी की बीमारी से पीड़ित थी, ने बताया कि कैसे उन्होंने डायलिसिस के दौरान कठिनाइयों का सामना किया और अपने डर को खत्म कर संघर्ष जारी रखा। इसी तरह, एक अन्य अभिभावक, जिनका बच्चा हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम से पीड़ित था, ने प्लाज्मा एक्सचेंज प्रक्रिया के दौरान आई चुनौतियों और उनके समाधान साझा किए। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में उनका बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ है। इन अनुभवों ने अन्य उपस्थित अभिभावकों को हौसला दिया और प्रेरित किया।

बालरोग नेफ्रोलॉजी डिवीजन के विशेषज्ञ डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट ने अभिभावक सहायता समूह के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह समूह किडनी रोग से पीड़ित बच्चों के माता-पिता को भावनात्मक समर्थन और महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे मानसिक तनाव को कम कर अपनी चिंताओं को साझा कर सकते हैं। सफल उपचार की कहानियां माता-पिता के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. शशांक पुरवार, कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. महेश माहेश्वरी, डॉ. भावना ढींगरा और डॉ. कीर्ति स्वर्णकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन डॉ. अम्बर कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समुदाय में किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## प्रो. भावना लगातार दूसरे वर्ष रिसोर्स टीचर ऑफ इंडिया स्वर्ण पट्टिका से सम्मानित

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संस्थान में शैक्षणिक श्रेष्ठता और ज्ञान के आदान-प्रदान को एक प्रेरक परंपरा के रूप में विकसित कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से संकाय सदस्य और छात्र निरंतर उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के नेत्र विज्ञान विभाग की प्रमुख, प्रो. भावना शर्मा को 2024 और 2025 के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संसाधन शिक्षक ऑफ इंडिया स्वर्ण पट्टिका से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा गुरुसंगम पहल के तहत प्रदान किया जाता है, जो देश के सबसे उत्कृष्ट नेत्र विज्ञान शिक्षकों को मान्यता देता है। गुरुसंगम एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी आयोजन है, जिसे तीन चरणों में आयोजित किया जाता है, जहां शिक्षकों का उनके निरंतरता और उत्कृष्टता के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। यह सम्मान डॉ. शर्मा को आगामी वर्ष में भारतीय नेत्र विज्ञान के प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य की उपाधि प्राप्त करने के मार्ग पर अग्रसर करता है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, प्रो. भावना शर्मा ने कहा- यह सम्मान मेरे शिक्षकों के मार्गदर्शन, मेरे माता-पिता के अटूट समर्थन और मेरे छात्रों व रोगियों के विश्वास का प्रमाण है। मैं इस सम्मान को उन सभी को समर्पित करती हूँ जिन्होंने मेरे सफर को आकार दिया और मेरी प्रगति में योगदान दिया। मेरे शिक्षक, माता-पिता, छात्र और रोगी मुझे हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा- प्रो. भावना शर्मा का लगातार दो वर्षों तक नेशनल रिसोर्स टीचर ऑफ इंडिया के रूप में सम्मानित किया जाना एम्स भोपाल की शैक्षणिक उत्कृष्टता और चिकित्सा शिक्षा में नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके मार्गदर्शन और रोगी देखभाल के प्रति समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। यह उपलब्धि न केवल हमारे संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे देश के शिक्षकों और चिकित्सकों के लिए एक मानक स्थापित करती है।

# भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा की तैयारियां शुरू, नगर होगा भगवामय

**बैतूल।** राष्ट्रीय हिंदू सेना द्वारा इस वर्ष भी श्रीराम जन्मोत्सव को ऐतिहासिक, भव्य और आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में संगठन के जिला कार्यालय पर एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रमुख पदाधिकारियों ने जन्मोत्सव की रूपरेखा तय की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, प्रांत सह सचिव भीम यादव, विभाग प्रवक्ता अखिलेश वाघमारे, विभाग युवा अध्यक्ष मनीष मालवीय, जिला संयोजक नवीन पटेल, जिला अध्यक्ष अनुज राठौर, जिला युवा महामंत्री अमित यादव, तहसील अध्यक्ष विक्रांत कनाठे और तहसील युवा सह संयोजक लोकेश रावत समेत दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला संयोजक नवीन पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय हिंदू सेना पिछले आठ वर्षों से श्रीराम जन्मोत्सव को भव्य रूप में आयोजित कर रही है। इस बार भी गेंदा चौक से कारगिल चौक तक नगर को भगवामय किया जाएगा और आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी। श्रीरामचंद्र और श्रीहनुमान जी की भव्य प्रतिमाएं शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहेंगी। जिला युवा महामंत्री अमित यादव ने बताया कि बैठक में बीते एक

वर्ष के सामाजिक कार्यों की समीक्षा भी की गई और संगठन के सेवा योद्धाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। तहसील अध्यक्ष विक्रांत कनाठे ने कहा कि इस वर्ष संगठन से एक दर्जन से अधिक युवाओं ने जुडक़र हिंदू समाज के लिए कार्य करने का संकल्प लिया है। तहसील युवा सह संयोजक लोकेश रावत ने बताया कि संगठन ने गौ रक्षा, गरीबों की मदद और धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौवंश की रक्षा के लिए 500 बेल्ट बांधे, असहाय परिवारों के अंतिम संस्कार कराए, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई और 245 गौवंश को तस्करों से मुक्त कराया। प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने कहा कि यह धार्मिक आयोजन हिंदू समाज की एकता और संस्कृति को सहेजने का संकल्प है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जन्मोत्सव को भव्य बनाने के लिए तन-मन-धन से जुटें। बैठक में संगठन के सौ से अधिक पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने श्रीराम जन्मोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिम्मेदारियां संभालने का संकल्प लिया।

वक्रोक्ति

नंदकिशोर बर्वे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# बड़ा हो गया लेकिन होली पर मन के कपड़े न पहन पाया

होली के कुछ दिन पहले मैं अपनी अलमारी के सामने दुविधा में खड़ा था। दुविधा यह थी कि होली पर कौन से कपड़े पहनूँ ? अब आप लोग कहेंगे कि यह भी कोई दुविधा है भला ? बल्कि यह तो वार्षिक सुविधा है कि जो कपड़े पसंद नहीं हों, उनको इस रंगीन अवसर पर पहन कर होली को और भी रंगीन कर लो।

मैंने अलमारी के सारे कपड़े बाहर पटक लिए कि यह नहीं वह। और यह भी नहीं, यही ठीक रहेगा, इस होली पर। देखता क्या हूँ कि बारी बारी से सारे कपड़े वापस अलमारी में मुस्कुराते हुए विराजित हो गये। हुआ यह कि मैं जिस भी कपड़े को हाथ में लेता वही मुझे होली पर नहीं, दीवाली पर पहनने लायक लगता। और जब दीवाली पर पहनने के कपड़ों के चुनाव का अवसर आता है ,तो मुझे सारे कपड़े होली के लगते हैं। बस यही दुविधा मुँह बाएं थी। जब बहुत देर तक मेरी कोई हलचल नहीं दिखी तो श्रीमती जी वहां 'क्या हुआ?' की मुद्रा में आकर खड़ी हो गईं। मैंने बेमन से होली पर पहनने के लिए जो कपड़े छांटे थे वे उनको दिखाए। और कहा कि मैं अब की होली पर यह पहनने वाला हूँ।

'ये ! तुम्हें तो बिलकुल भी समझ नहीं है कि कब क्या पहनना चाहिए।' वो पहले प्रस्ताव पर ही फट पड़ीं।

'वह नहीं तो यह पहन लेता हूँ' मैंने दूसरा शर्ट दिखाया। उसे देखा तो और वे उखड़ गईं।

'यह पहनोगे? याद नहीं है यह मेरे मायके से दिया था? कितने लाड़ से। और तुम इसे होली पर पहनोगे?'

'हाँ ठीक है पर ससुराल से मिली चीजें भी तो पुरानी होती हैं। इसलिए।...'

'अच्छा तो अब मैं भी तुम्हें पुरानी लगने लगी हूँ। हे भगवान ये क्या दिन देखना पड़ रहे हैं।' होली के पहले ही हमारे यहाँ माहौल 'यह पहलवान अम्बाले का यह पहलवान पटियाले का' टाईप हो गया। हालाँकि कविता की ये पंक्तियाँ नागपंचमी के त्यौहार के लिए कही गई हैं। पर दंगल तो समय, सन्दर्भ और त्योहारों से परे होता है। दंगल दीपावली पर भी प्रासंगिकता रखता है। और होली और नागपंचमी पर भी। सो मुद्दे की बात यह है कि दंगल से बड़ा उसका माहौल होता है। इसलिए होली पर घर में दंगल का माहौल हो जाये, तो कोई अनोखी बात नहीं होती। मैंने सदन में विश्वास खो चुके नेता की तरह बात को सँभालने की कोशिश की - 'अरे भागवान सुनो तो।...'

'मुझे कुछ नहीं सुनना।जो जी में आये बोल रहे हो, तो जी में आये वह पहन भी लो मैं कौन होती हूँ तुम्हें रोकने वाली।'

'अच्छा सुनो तुमने कौनसी साड़ी चुनी है इस होली पर?' मैंने स्थिति को सम्भाले की कोशिश की।

'मेरा क्या हैं, मेरी तो सारी साड़ियाँ ही होली की हैं। मैं तो कोई भी पहन लूंगी। तुम अपना सोचो।' हमारे इस पुरातन कालीन वार्तालाप पर ब्रांडेड कपड़े साल भर के अंदर रिटायर्ड कर देने वाले बच्चे निर्लिप्त भाव से खड़े थे। फिर बेटा बोला 'पापा आप अभी चलिए मैं आपको एक जोड़ सफ़ेद कुरता पायजामा दिलवाता हूँ। ताकि आप भी किसी हीरो की तरह नए कपड़ों में होली खेलो।' मैंने मना कर दिया।

मुझे याद आया कि जिस शर्ट से भावनात्मक लगाव के कारण वे मुझ पर भड़क रही थीं, वह उन्होंने खुद ही मुझे पिछली दीवाली पर पहनने से अपने वीटो का इस्तेमाल करके रोक दिया था। और तो और शादी पार्टी में भी पूरे साल नहीं पहनने दिया। और अब होली पर वही उन्हें दीवाली के पर्व पर पहनने लायक दिख रहा है।

और यह मेरे साथ कोई पहली बार नहीं हो रह है। बचपन में जो 'बढ़ते नाप' के कपड़े दिलवाए जाते थे, वे पसंद न आने पर मैं होली पर पहनने को कहता तो बाई बाबूजी डपटकर चुप कर देते। फिर बाई टांड पर रखा पोटला निकालती। वही पोटला कि जिससे प्राचीन 'वस्तु विनिमय' की परंपरा पुनर्जीवित होती थी। मतलब पुराने कपड़ों के बदले फेरी वाली से बर्तन लिए जाते थे। उस पर भी कभी कभी तो बड़े भैया बहनों के द्वारा पिछली होली पर पहने कपड़े पहन लेने का अरुचिकर आदेश होता था। तब बचपन में मैं सोचता था कि जब बड़ा हो जाऊंगा तब मैं अपनी मर्जी से होली के कपड़ों का चयन करूँगा। अब पता चला कि सर के आधे से ज्यादा बाल उड़ जाने पर भी मैं अभी तक उतना बड़ा नहीं हो सका हूँ कि होली पर जो कपड़े चाहूँ वे पहन लूँ।

॥ मंदिरम् ॥

60

## बकरेश्वर शक्तिपीठ, पश्चिम बंगाल

बकरेश्वर शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम में पापरा नदी के तट पर स्थित है, जो सिउरी शहर से लगभग 24 किमी और कोलकाता से 240 किमी दूर है। बकरेश्वर शब्द इस इलाके में पूजे जाने वाले भगवान शिव के नाम से आया है। बीरभूम में स्थित बकरेश्वर को भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक के रूप में जाना जाता है। बकरेश्वर अपने बकरेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है जो भगवान बकरनाथ (शिव) और देवी काली को समर्पित है। इस मंदिर को महिषमर्दिनी शक्तिपीठ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। किंवदंतियों के अनुसार, देवी सती के माथे यहाँ गिरे थे। भगवान शिव को समर्पित कई छोटे मंदिर मुख्य बकरेश्वर शक्तिपीठ के चारों ओर हैं। यहाँ एक मंदिर का तालाब और एक पवित्र वृक्ष है। बकरेश्वर अपने आठ अलग-अलग तापमान वाले गर्म झरनों के लिए भी प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि इन झरनों के पानी में उपचार के गुण होते हैं। इनमें से सबसे गर्म झरनों में से अग्निकुंड का तापमान लगभग 93.33 डिग्री सेल्सियस है। ये सभी झरने एक छोटी नदी में मिल जाते हैं, जहाँ वे पम्प्रा नदी से मिल जाते हैं। शिवरात्रि के आगमन पर यहाँ लगातार एक बड़ा मेला आयोजित किया जाता है।

### विधानसभा के बजट सत्र का 5वां दिन भी हंगामे में बीता

# कैग रिपोर्ट में खुलासा, संबल समेत कई योजनाओं में गड़बड़ी

## कांग्रेस ने कहा-एमपी भ्रष्टाचार का अड्डा बना, मंडला नक्सली एनकाउंटर पर सदन से वॉक आउट

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का सोमवार 5वां दिन था। विधानसभा में कैग रिपोर्ट 2022 पेश की गई। इसमें मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, संबल योजना, नल जल योजना समेत कई योजनाओं में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की बात सामने आई है। इस पर ग्वालियर से कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने कहा कि मप्र भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है।

इससे पहले बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने कहा- 2024-25 और 2025-26 के राजकोषीय घाटे में 25 प्रतिशत का अंतर है। सरकार मध्यप्रदेश की जनता को कितना कर्ज में डुबोएगी? 31 मार्च 2026 तक 28 हजार 236 करोड़ रुपए कर्ज का ब्याज हमें चुकाना होगा। राजकोषीय प्राप्ति यानी आमदनी बढ़ाने में भी सरकार फेल साबित हो रही है।

**कांग्रेस ने मंडला नक्सली एनकाउंटर को बताया फर्जी-** प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने मंडला में नक्सली एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए सदन से वॉक आउट कर दिया।

मंडला विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा- सरकार एनकाउंटर की जांच नहीं करा रही है। विधानसभा में अध्यक्ष ने भी हमारी मांग को अस्वीकार कर दिया। इस तानाशाही रवैये के विरोध में हमने विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार किया है। वहीं, बीजेपी विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा- स्पीकर ने साफ तौर पर कहा है कि प्रतिवेदन आ जाएगा तो इस पर चर्चा कराएंगे। आज शाम तक वहां से जानकारी आ जाएगी। इसके बाद सरकार जवाब देगी। कांग्रेस मीडिया में छाने के लिए जबरदस्ती नाटक कर रही है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी आज विधानसभा पहुंचे। उन्होंने मऊगंज में एएसआई की हत्या और इंदौर में वकील-पुलिस झड़प पर कहा- मध्यप्रदेश कानून अव्यवस्था की राजधानी बन चुका है। भ्रष्टाचार की राजधानी बन चुका है। पूरा देश मध्यप्रदेश की ओर देख रहा है।

**भार्गव बोले- औरंगजेब की कब्र निरर्थक विषय-** विधायक गोपाल भार्गव बोले औरंगजेब की कब्र निरर्थक विषय है। देश के विकास और समस्याओं के समाधान से इसका कोई संबंध नहीं है।

### सारंग बोले- देवी, देवताओं का अपमान करना कांग्रेस की आदत

मंत्री विश्वास सारंग ने कांग्रेस नेता रेखा जैन द्वारा भगवान परशुराम की तुलना औरंगजेब से करने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करना कांग्रेस की आदत हो गई है। इसे बहुसंख्यक समाज अब सहन नहीं करेगा। यदि कांग्रेस ने जैन को पार्टी से नहीं निकाला तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह कांग्रेस का ऑफिशियल बयान है।

### पिछले सवा साल में एक भी किसान ने आत्महत्या नहीं की : भार्गव

बजट पर चर्चा के दौरान विधायक गोपाल भार्गव ने कहा- पिछले सवा साल में बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश में एक भी किसान ने कर्ज और अन्य परिस्थितियों के कारण आत्महत्या नहीं की। एक दौर ऐसा भी था कि बिजली नहीं मिलती थी। आज ऐसी स्थिति नहीं है। प्रदेश में निःशुल्क विद्युत प्रदाय के लिए 5 हजार 299 करोड़ रुपए की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। इसी दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- भार्गव जी के पास 40 साल का अनुभव है। 40 साल में पहली बार आंकड़ों के साथ बात कर रहे हैं। भार्गव ने सदन में विभागवार किए गए बजट प्रावधान की जानकारी भी दी।

### कांग्रेस विधायकों ने की नारेबाजी, वॉक आउट

सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने मंडला में नक्सली एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए जांच की मांग की। दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी के बाद उन्होंने सदन से वॉकआउट कर दिया।मंडला विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा- सरकार मंडला एनकाउंटर की जांच नहीं करा रही है। विधानसभा में अध्यक्ष ने भी हमारी मांग को अस्वीकार कर दिया। भाजपा सरकार के इस तानाशाही रवैये के विरोध में हमने विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार किया है।

### गांधी सागर डैम में टरबाइन बदलने की जरूरत

विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि उनके क्षेत्र में गांधी सागर बांध है। यहां 5000 मेगावाट बिजली जनरेट की जा सकती है। इसके लिए सिर्फ उसका टरबाइन बदलने की जरूरत है, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही है। इसलिए सरकार को चाहिए कि डैम में लगे टरबाइन को बदल दिया जाए ताकि अधिक से अधिक बिजली जनरेट की जा सके मारू। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में संतरे की भी व्यापक पैदावार होती है। कुछ तकनीक का इस्तेमाल करके यहां संतरे का उत्पादन और अधिक बढ़ाया जा सकता है।

# मुख्यमंत्री ने गर्मी में सार्वजनिक प्याऊ लगाने के दिए निर्देश

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गर्मी के मौसम को देखते हुए जिलों के कलेक्टर, नगरीय निकायों तथा पंचायतों को सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपयुक्त स्थलों पर छाया की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जन प्रतिनिधियों से भी अपील की है। उन्होंने कहा कि जन सामान्य के लिए ग्रीष्म ऋतु में प्याऊ लगवाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। जल संरक्षण के साथ-साथ जल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को दिए संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से जल गंगा अभियान के अंतर्गत बूंद- बूंद जल बचाने के लिए संचालित होने वाली गतिविधियों में सहभागिता करने का भी आव्हान किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में पेयजल प्रबंधों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए।

# समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 5 मई तक : खाद्य मंत्री राजपूत

**भोपाल (नप्र)।** न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 5 मई तक की जायेगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये के अलावा किसानों को 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी देगी। इस बार 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। किसानों गेहूं बेचने के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग करनी होगी। साथ ही जिन किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए अभी तक पंजीयन नहीं कराया है, वे 31 मार्च 2025 तक करवा सकते हैं। खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए टेंट, बैठने की व्यवस्था, पानी, पंखे, तौल मशीन और कंप्यूटर जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। गेहूं की साफ-सफाई के लिये क्लीनिंग मशीन भी लगाई जा रही है।

# रायसेन में एएसआई की हार्ट अटैक से मौत

## ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ी, अस्पताल ले जाते समय बेटी की गोद में दम तोड़ा

**रायसेन (नप्र)।** रायसेन यातायात थाने के एएसआई को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आ गया। सूचना पर परिजन और साथी पुलिसकर्मी उन्हें तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। इस दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉ. आकाश चतुर्वेदी ने अटैक से मौत की पुष्टि की।

फूल सिंह, ASI

पोस्टमॉर्ट्म के बाद उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह जिला बैतूल रवाना किया जाएगा। पुलिस विभाग ने परिजन को एक लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की बात कही है।

जानकारी के मुताबिक रायसेन यातायात थाने में तैनात एएसआई (55) फूल सिंह उइके रविवार को नाइट ड्यूटी पर थे। सोमवार सुबह थाने में उन्हें घबराहट महसूस हुई। इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी पलक उइके को फोन किया। बता दें कि इसी तरह इंदौर में होली की ड्यूटी पर तैनात टीआई संजय पाठक की मौत हो गई थी। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के बाद बॉम्बे हॉस्पिटल लाया गया था। लेकिन हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही उनकी सांसें थम चुकी थीं।

**एएसआई ने बेटी की गोद में दम तोड़ा-** थाने में ही सुबह 7 बजे फूल सिंह को उल्टियां हुईं। सुबह थाने में ज्यादा स्टाफ नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी बेटी पलक को फोन किया। इसके बाद स्टाफ के अन्य लोगों को भी बताया। पिता की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही उनकी बेटी पलक फौरन थाने पहुंची और पुलिसकर्मियों की मदद से पिता को तुरंत एक निजी अस्पताल ले गई। वहां पल्स नहीं मिलने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस दौरान रास्ते में ही उन्होंने बेटी की गोद में दम तोड़ दिया। पलक ने बताया कि उन्हें हार्ट से जुड़ी कोई परेशानी नहीं थी, शुगर पेशेंट जरूर थे।

**एएसपी बोले- पुलिस विभाग उनके साथ-** सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खुरपुसे जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने यातायात थाना प्रभारी लता मालवीय से जानकारी ली। एएसआई की बेटी पलक को उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरा पुलिस विभाग दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ है।

**पत्नी का पहले ही निधन, परिवार में बेटे-बेटी-** एएसआई फूल सिंह उइके के दो बेटे और एक बेटी हैं। बेटी उनके साथ रायसेन में रहती थी। पत्नी का 8 साल पहले कैंसर की बीमारी से निधन हुआ था। वे डायबिटीज के मरीज थे और पिछले 4 साल से रायसेन यातायात थाने में कार्यरत थे। रहने वाले बैतूल के खंजनपुर के थे। यातायात प्रभारी लता मालवीय ने बताया-पुलिस विभाग की ओर से परिवार को एक लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है। पार्थिव शरीर को पोस्टमॉर्ट्म के बाद पूरे सम्मान के साथ उनके गृह जिला बैतूल के लिए रवाना किया जाएगा।

**होली ड्यूटी के दौरान टीआई की अटैक से मौत हुई थी-** तीन दिन पहले ही इंदौर में होली की ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर संजय पाठक की मौत हुई थी। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के बाद बॉम्बे हॉस्पिटल लाया गया था। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।

# बुरहानपुर में बेटी के ससुराल पक्ष ने की मारपीट तो पिता ने पिया एसिड, मौत

## एक सप्ताह पूर्व ही बेटी ने किया था प्रेम विवाह, समझौता करने बुलाया था घर

**बुरहानपुर (नप्र)।** शहर के लालबाग थाना क्षेत्र स्थित उपकार नगर निवासी प्रदीप गायकवाड़ ने रविवार को एसिड पी लिया था। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक व अन्य लोगों से मारपीट करने, आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दरअसल आत्महत्या का यह मामला प्रदीप की पुत्री गायत्री गायकवाड़ के प्रेम विवाह से जुड़ा है। गायत्री ने आठ दिन पूर्व घर से भाग कर सलीम कालोनी निवासी गौरव महाजन के साथ प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद से ही दोनों गायब थे।

इस मामले में समझौता करने के लिए गौरव के स्वजन को

अपने घर बुलाया था। बातचीत के दौरान उन्होंने कई बार प्रदीप से कहा कि उन्हें बेटी के घर से भागने के बाद ही आत्महत्या कर लेनी चाहिए थी। साथ ही घर में तोड़फोड़ और जमकर मारपीट भी की थी। इसी से क्षुब्ध होकर प्रदीप ने एसिड पी लिया था। स्वजन ने तुरंत उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन उसकी मौत हो गई। मारपीट में मृतक के भाई मनोज और उसकी पत्नी रत्ना गायकवाड़ को भी चोटें आई हैं।

### इनके खिलाफ दर्ज हुआ मामला

पुलिस के अनुसार मृतक के छोटे भाई की पत्नी रूपाली गायकवाड़ की शिकायत पर अतुल महाजन, सचिन महाजन, कैलाश महाजन, अनिल महाजन निवासी सलीम कालोनी बुरहानपुर, अमोल महाजन, योगेश महाजन, सपना महाजन निवासी करजोद रावेर महाराष्ट्र, वैशाली महाजन निवासी अहिरवाड़ी रावेर महाराष्ट्र के खिलाफ नामजद व अन्य लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115 (2), 191 (2), 324 (5) के तहत केस दर्ज किया गया है। सोमवार शाम तक किसी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो पाई थी। पुलिस उनकी तलाश में सलीम कालोनी पहुंची थी, लेकिन कोई भी घर में नहीं मिला।

### सीएम ने पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. प्रधान के निधन पर शोक जताया

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया है। दिवंगत डॉ. प्रधान, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान के पिताजी हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि डॉ. प्रधान का जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संदेवनाएं प्रकट की।

# रीवा में युवक ने लाइव आकर लगाई फांसी

## सुसाइड से पहले बोला- पत्नी और सास ने घर बर्बाद कर दिया, उन्हें छोड़ना मत

**रीवा (नप्र)।** बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की तरह रीवा के सिरमौर थाना क्षेत्र के मेहरा गांव में 30 वर्षीय युवक ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर फांसी लगा ली। इस दौरान उसने पत्नी और सास को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। शिव प्रकाश तिवारी ने कहा- दोस्तों, आज मैं

लाइव आया हूं, अपनी जिंदगी की आखिरी सांसें भी लूंगा। आज ही फांसी भी लगाऊंगा। मेरा घर बर्बाद करने का कारण मेरी सास और उनकी बेटियां हैं। भाइयों, मैं मर भी जाऊं तो उन्हें छोड़ना नहीं। घटना रविवार की है। वीडियो में शिव प्रकाश तिवारी ने अपने घर में साड़ी को लकड़ी की थूनी (सीलिंग पर लगी लकड़ी की म्यार) से बांधकर फांसी लगा ली।युवक के सुसाइड के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक के सोशल मीडिया लाइव वीडियो को सबूत के तौर पर सुरक्षित रखा गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पति-पत्नी के बीच विवाद कब से चल रहा था और इसकी असली वजह क्या थी?

**2-3 साल पहले हुई थी शिव प्रकाश की शादी-** एएसपी विवेक कुमार लाल ने बताया कि शिव प्रकाश तिवारी की शादी 2-3 साल पहले हुई थी। घटना की जांच की जा रही है। अभी कुछ भी स्पष्ट कहना जल्दबाजी होगी। वहीं, अब तक मृतक के परिवार और पत्नी या ससुराल पक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# हैप्पीनेस पर राष्ट्रीय सेमिनार 20 - 21 को

## सेमिनार में मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर की जाएगी चर्चा

**भोपाल(नप्र)।** राज्य आनंद संस्थान द्वारा भोपाल में नेशनल सेमिनार ऑन हैप्पीनेस 20 और 21 मार्च 2025 को आयोजित किया जा रहा है। सेमिनार में मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। चर्चा के लिये मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, समाजशास्त्रियों और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया गया है। सेमिनार में सभी अपने अनुभवों और शोध निष्कर्षों को साझा कर सकेंगे। इस आयोजन से आनंद के विविध आयामों एवं तत्वों पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर गहन चिंतन के लिये मंच मिलेगा।

प्रदेश में आनंद विभाग की स्थापना नागरिकों की खुशहाली एवं परिपूर्ण जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता के लिये अगस्त 2016 में किया गया था। राज्य आनंद संस्थान नागरिकों की खुशहाली और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए सतत् कार्यरत है। संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और आनंदम गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों में सकारात्मकता और आत्मिक आनंद की भावना विकसित करने का प्रयास कर रहा है। इसी सिलसिले में आयोजित हो रहे नेशनल सेमिनार ऑन हैप्पीनेस में आतंरिक आनंद की अनुभूति बाह्य प्रभावों व भौतिक सुविधाओं के साथ आंतरिक आनंद को अनुभव करने के विधाओं पर चर्चा, आनंद से स्वास्थ्य आनंद और स्वास्थ्य के बीच संबंध, खुशहाल परिवार एवं कार्यस्थल परिवार में आनंदमयी वातावरण और कॉर्पोरेट तथा सरकारी संगठनों में आनंदमयी कार्य संस्कृति विकसित करने पर फोकस रहेगा।

# पद गया, रुतबा गया, स्वागत भी फीका !

एक समय उनका रुतबा था, मंत्री हो, विधायक हो या अधिकारी, सब उनके इशारों पर नाचते थे। जिस बैठक में, कार्यक्रम में, सभा में वह पहुंचते थे तो पूरा सदन उनकी आवभगत करता था, लेकिन अब यह रुतबा चला गया है। वक्त में ऐसी बाजी पलटी की जो मंत्री या विधायक उनके आने-जाने की हर खबर रखते थे लेकिन जब वह वहां पहुंचे तो स्वागत में केवल एक मंत्री और विधायकों ने ही इस्तकबाल किया। हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के एक कद्दावर नेता की। बीते दिनों कद्दावर नेता विधानसभा में पहुंचे तो सदन की कार्रवाई सुचारू रूप से चल रही थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष सदन की कार्रवाई में व्यस्त थे। इस दौरान सदन की कार्रवाई में हंगामा भी हुआ। इस दौरान जब विधानसभा अध्यक्ष ने नाम लेते हुए आसंदी से सूचना दी की कि आज हमारे बीच दीर्घा में प्रदेश के कद्दावर नेता मौजूद है तो उनके स्वागत में अनेक विधायकों ने मेज थपथपाकर किया लेकिन यह अजीब ही रहा कि सरकार के दो-तीन मंत्री ने ही मेज थपथपाकर कद्दावर नेता जी का अभिनंदन किया। नेताजी को यह अहसास जरूर हो गया कि पद के साथ रुतबा भी चला जाता है।

**मोहन का मंत्रालय**

**आशीष चौधरी**

### सीएस की सक्रियता

प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया अनुराग जैन अपने कार्यकाल के पहले बजट में काफी सक्रिय रहे। बजट पेश होने वाले दिवस 12 मार्च को मुख्य सचिव, वित्त विभाग के अफसरों के साथ सुबह से मीटिंग में लगातार व्यस्त रहे और अफसरों के साथ बजट को अंतिम रूप दिया। विधानसभा की लॉबी तक में सीएस की सक्रियता चर्चा का विषय रही।

### फील्ड में काम करना चाहते हैं अफसर

सरकार के मुखिया के कार्यालय में पदस्थ एक डिप्टी कलेक्टर इन दोनों फील्ड में काम के लिए बेताब है। अधिकारी चाहते हैं कि सरकार उनकी योग्यता का उपयोग फील्ड में करें न कि कार्यालय में बाबू गिरी करा के। सूत्रों का कहना है कि युवा डिप्टी कलेक्टर ने सरकार के मुखिया के जिले में पूर्व में पदस्थापना के दौरान बेहतर कामकाज किया था। मुख्यमंत्री ने डिप्टी कलेक्टर के बेहतर परफॉर्मेंस को देखते हुए मंत्रालय में पदस्थ किया है। डिप्टी कलेक्टर अपने कार्य को बखूबी अंजाम दे रहे हैं और देर शाम तक मंत्रालय में बैठकर फाइलें निपटाते हैं। लेकिन डिप्टी कलेक्टर मंत्रालय में बाबू गिरी के बजाय फील्ड में काम करने की आस लगाए।

### संचालनालय में मंत्री की बढ़ी निगरानी

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का लोक शिक्षण संचालनालय में बढ़ते दखल से संचालनालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में संशय का माहौल है। मंत्री ने संचालनालय की आंतरिक और दैनिक गतिविधियों पर निगरानी और बढ़ा दी है हैं और मंत्री विभाग से संबंधित हर छोटे-बड़े मसले पर संज्ञान लेने लगे हैं। ताजा मामले में भोपाल के ऑफिसों में जिलों से कुछ कर्मचारियों को अटैच किया गया। कर्मचारियों का अटैचमेंट किसी विशेष काम के लिए करना विभागाध्यक्ष कार्यालय की आंतरिक व्यवस्था है यह ट्रांसफर नहीं है। इधर स्कूल शिक्षा मंत्री का मानना है कि किसी भी कर्मचारी का अटैचमेंट और अटैचमेंट समाप्त होने के बाद उसकी पदस्थापना मंत्री से प्रशासकीय अनुमोदन के पश्चात होनी चाहिए। मंत्री जी का कहना है की अटैचमेंट के नाम पर संचालनालय के अधिकारी चाहते कर्मचारियों को महीना पदस्थ रखते हैं जबकि सरकार अटैचमेंट के खिलाफ है। सरकार ने साल की शुरुआत में ही डेढ़ हजार से अधिक अटैचमेंट समाप्त किए थे। मंत्री अटैचमेंट को लेकर अफसरों को फटकार भी लगा चुके हैं लेकिन अधिकारी बेलगाम है। अफसर किसी न किसी वजह से कर्मचारियों को भोपाल पदस्थ कर उसे अटैचमेंट का रूप देते हैं।